INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक

यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
DAVP-: 134220

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-3 | अंक-126 | मथुरा, मंगलवार, 1 जुलाई 2025 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | twitter.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक
यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा-071/2022-24
डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त: DAVP-: 134220

वर्ष-3 | अंक-126 | मथुरा, मंगलवार, 1 जुलाई 2025 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | twitter.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

पेज-10
बारिश ने बढ़ाई शुभमन गिल और बेन स्टोक्स की टेंशन

पेज-11
तमिलनाडु में पटाखा फैक्ट्री में भीषण धमाका

पेज-12
मथुरा की विशेष खबरों के लिए पेज 12 पढ़ें

सर्वे में वर्क प्रेशर के कारण कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए

लोगों की उम्र बढ़ाने वाले डॉक्टर्स की औसत आयु 10 साल कम

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की रिपोर्ट को मानें तो देश में डॉक्टरों की औसत आयु केवल 55-59 साल है, जबकि हमारे देश में आम लोगों की औसत उम्र 69-72 साल है यानि डॉक्टर की 10 साल कम। डॉक्टरों की शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक थकान का असर इनकी उम्र पर भी पड़ रहा है। यह हम नहीं कह रहे, बल्कि रिपोर्ट कह रही है। कन्या मेडिकल कपंनी की ओर से देशभर के 10 हजार से ज्यादा डॉक्टरों, इंटन्स, मेडिकल स्टूडेंट्स और कंसल्टेंट्स पर किए सर्वे में वर्क प्रेशर के चलते कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं।

कन्या बाइटल्ड-2025 रिपोर्ट प्राइवेट और सरकारी सेक्टर के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के मेडिकल प्रोफेशनल्स पर आधारित है। यह भी सामने आया है कि 25 से 34 साल की उम्र के युवा डॉक्टर्स (रेजिडेंट्स) सबसे ज्यादा तनाव में हैं।

तनाव का सबसे ज्यादा असर

55% को मानसिक स्वास्थ्य खराब होने का डर	50% को पब्लिक हेल्थ सिस्टम फेल कर देने का डर	48% को काम पर शारीरिक नुकसान

वजह एक हफ्ते में 80 घंटे से ज्यादा काम

58% ज्यादा घंटे काम करना	46% मरीजों की भीड़	36% बोझ प्रशासनिक

समय: 3 में से 1 डॉक्टर खुद के लिए 1 घंटा भी नहीं निकाल पाते

- 33% डॉक्टर को खुद, परिवार या आराम के लिए एक घंटा भी नहीं मिलता।
- 83% डॉक्टर मानसिक या भावनात्मक रूप से थके हुए
- 70% को अपने काम की सुरक्षा नहीं लगती।

पछतावा: 25-34 उम्र वालों को डॉक्टरी चुनने का मलाल

- 70% युवा डॉक्टरों को अपने इस प्रोफेशन को चुनने का पछतावा है
- 43% डॉक्टर खुद को कम वेतन पाने वाला मानते हैं

सुरक्षा: छोटे शहरों की महिला डॉक्टर सेफ फील नहीं करती

70% महिला डॉक्टर वर्कप्लेस पर असुरक्षा महसूस होती है।

तनाव: 25-34 साल की उम्र के डॉक्टर्स सबसे ज्यादा तनाव में

- 2 में से 1 डॉक्टर इस उम्र में 60 घंटे से ज्यादा काम करता है।
- 15% डॉक्टर 80 घंटे से ज्यादा काम करते हैं।
- यही आयु वर्ग थकावट झेलता है।
- 45+ ओवरटाइम और तनाव थोड़ा कम हो जाता है।

परेशानी- बड़े के मुकाबले छोटे शहरों में थकान ज्यादा

- दिल्ली और बेंगलुरु जैसे बड़े शहरों के डॉक्टरों के डॉक्टरों में थकावट कम
- छोटे शहरों के 85% डॉक्टर थके हुए या मानसिक रूप से परेशान।
- यह संख्या टियर-1 शहरों से 11% ज्यादा है।
- महिलाओं में मानसिक थकावट की दर 87% और पुरुषों में 77% तक।

लापरवाही राया ब्लॉक के एक विद्यालय के बरामदे का लेंटर गिरा

बच्चों, शिक्षक-शिक्षिकाओं में मचा हड़कंप

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। मंगलवार को उच्च प्राथमिक विद्यालय शौगरवार विकासखंड राया की छत का लेंटर कई जगह से अचानक गिर पड़ा। जिससे स्कूल के बच्चे बालबाल बच गए। जिसके कारण स्कूल के बच्चों, शिक्षक शिक्षिकाओं में हड़कंप मच गया। प्रभु की गनीमत रहीं कि उस समय बच्चे मिड डे मील का भोजन करके लौट रहे थे। जिस कारण कोई अप्रिय घटना होने से बच गई। आज ग्रीष्म अवकाश के बाद नये शिक्षा सत्र के दौरान जनपद में प्राथमिक विद्यालय और उच्च प्राथमिक विद्यालय पुनः खुले। लेकिन जनपद के राया ब्लॉक के अंतर्गत उच्च प्राथमिक विद्यालय शौगरवार में पौने ग्यारह बजे बिना तूफान और बिना वर्षा के अचानक स्कूल के बरामदे

विकास खंड राया के उच्च प्राथमिक विद्यालय शौगरवार की छत के लेंटर को देखते स्कूल के बच्चे, शिक्षक एवं शिक्षिकाएं।

का लेंटर भर भराकर जगह जगह से गिर गया। जिसकी आवाज को सुनकर बच्चों और शिक्षकों में हड़कंप मच गया। उस समय लगभग सौ के करीब बच्चे स्कूल में अक्षय पात्र से आया खाना खा रहे थे। जिस कारण कोई बड़ा हादसा होने से बच गया। जबकि शिक्षक खाने की व्यवस्था को देख रहे थे। कुछ बच्चे खाना खाकर लौट रहे थे तो लेंटर को गिरता हुआ देखकर उन्हें उल्टा लौटना पड़ा। इस कारण कई बच्चे घबरा कर गिर गए। लेकिन कोई बच्चा या शिक्षक चोटिल नहीं हुआ। कक्षा एक से

घटना के समय बच्चे कर रहे थे लंच

इंचार्ज प्रधानाध्यापक ने अधिकारियों को दी सूचना

आठवीं तक के इस सम्मिलित विद्यालय की इंचार्ज प्रधानाध्यापक शाह निगार ने बताया कि स्कूल में 109 छात्र-छात्राएं पंजीकृत थे उनमें से आज लगभग 95 छात्र-छात्रा उपस्थित हुए। इस घटना में कोई भी बच्चा हताहत नहीं हुआ। सभी बच्चे सकुशल हैं। इस घटना के संबंध में उन्होंने राया ब्लॉक के बीईओ और एबीआरसी को सूचित कर दिया है। जबकि बीएसए कार्यालय को भी सूचना दे दी है।

दोस्त का दोस्त बना दुश्मन

दोस्त की हत्या कर शव को हाथरस में कुएं में फेंका

संवाददाता

यूनिक समय, आगरा। थाना हरीपर्वत क्षेत्र से लापता हुए 12वीं के छात्र कुणाल प्रजापति की हत्या कर दी गई। चौंकाने वाली बात यह है कि उसकी हत्या किसी और ने नहीं, बल्कि उसके ही करीबी दोस्त शिवम यादव ने की। शव को पहचान से बचाने और साक्ष्य छिपाने के इरादे से हाथरस के सहपऊ क्षेत्र में खेतों के बीच बने एक कुएं में फेंका गया। ऊपर से ईंट-पत्थर, गांजा के पौधे और झाड़ियां डाल दी गईं। पुलिस ने शक के आधार पर आरोपी को हिरासत में लिया, जिसने पूछताछ में जुर्म स्वीकार कर लिया। सुल्तानगंज पुलिया निवासी देवेंद्र प्रजापति ने 28 जून को थाना हरीपर्वत में बेटे कुणाल (19 वर्ष) की गुमशुदगी दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार, कुणाल 27 जून को दोपहर में स्कूटी लेकर घर से निकला था। उस वक्त वह लाल रंग की टीशर्ट पहने हुए था और कहा था कि थोड़ी देर में लौट आएगा। लेकिन शाम तक वापसी न होने पर परिजनों को चिंता होने लगी। कुणाल की बहन तृप्ति ने बताया कि रात में जब घरवालों ने बार-बार फोन किया, तब जाकर एक बार मम्मी की कुणाल से बात हुई। उसने कहा कि वह अपने दोस्त शिवम यादव के साथ है। बातों ही बातों में उसने मजाक में कहा था, "पता नहीं ये मुझे मार न डाले," लेकिन तुरंत फिर बोला कि "नहीं-नहीं, ये तो मेरा अच्छा दोस्त है। दो घंटे में घर आ जाऊंगा।" इसके बाद उसका फोन स्विच ऑफ हो गया। जब अगले दिन तक भी वह वापस नहीं आया, तो परिवार ने शिवम से संपर्क किया, लेकिन वह टालमटोल करता रहा और कोई जानकारी नहीं दी। कुणाल के परिजनों ने शक जाहिर किया कि शिवम यादव और उसके पिता पप्पू यादव हत्या में शामिल हैं। दरअसल, शिवम उनकी मिठाई की दुकान पर दूध देने आता था और इसी कारण कुणाल से उसकी दोस्ती हो गई थी। पुलिस ने जांच शुरू करते हुए शिवम को ट्रेस किया। वह मूल रूप से हाथरस के गांव पैंतिया का रहने वाला है। आगरा में वह रोज कुणाल की दुकान पर दूध देने आता था। पुलिस ने शिवम और उसके पिता को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। शुरू में शिवम ने पुलिस को गुमराह किया और जगह-जगह घुमाया, लेकिन जब पुलिस ने सख्ती दिखाई, तो वह टूट गया और हत्या की बात स्वीकार कर ली। शिवम की निशानदेही पर पुलिस उसे सोमवार-मंगलवार की रात हाथरस के सहपऊ क्षेत्र में उस खेत में लेकर गई, जहां हत्या के बाद शव को फेंका गया था। कुएं से जब शव निकाला गया, तो वह बुरी तरह सड़-गल चुका था और उसमें कीड़े पड़ चुके थे। शिवम ने पुलिस को बताया कि हत्या के बाद उसने कुणाल का शव कुएं में फेंका, फिर ऊपर से ईंटें, पत्थर, गांजे के पौधे और झाड़ियां डाल दीं, ताकि बदबू न फैले और किसी को शक न हो। हाथरस पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और उसके बाद आगरा पुलिस को सौंप दिया गया।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हत्या के कारणों और तरीकों पर स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

एसीपी हरीपर्वत विनायक भोंसले ने बताया कि दो आरोपियों को हिरासत में लिया गया है। जल्द ही पूरे मामले का खुलासा कर दिया जाएगा। वहीं, सादाबाद के सीओ हिमांशु माथुर ने कहा कि घटना की जांच आगरा पुलिस द्वारा की जा रही है।

हत्या के प्रयास में वांछित चार अभियुक्त गिरफ्तार, अवैध तमंचा बरामद

यूनिक समय, मथुरा। थाना जमुनापार पुलिस ने हत्या के प्रयास में चार वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों में मोनू उर्फ मलूका (निवासी बिलौटी, भरतपुर), हीका उर्फ कीर्तिपाल, रामवीर, और सोदान (तीनों निवासी गोहनपुर, मथुरा) शामिल हैं। अभियुक्तों पर वादी खेमा द्वारा 29 जून की रात को उसके पिता पप्पू पर लाठी, डंडा, सरिया और तमंचे से हमला करने और फायरिंग करने का आरोप लगाया गया था। मामले में थाना जमुनापार पर बीएनएस की विभिन्न धाराओं में केस पंजीकृत किया गया। गिरफ्तारी के दौरान अभियुक्त मोनू के पास से एक अवैध तमंचा और दो कारतूस बरामद किए गए। पुलिस ने सभी के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। गिरफ्तार करने वाली टीम में थाना प्रभारी अजय किशोर सहित छह पुलिसकर्मी शामिल रहे।

वर्षा ने खोली प्रशासन की मेले की तैयारियों की कलई

संवाददाता

यूनिक समय, गोवर्धन। जिला प्रशासन एवं नगर पंचायत की ओर से चार से 11 जुलाई तक कस्बे में चलने वाले मुड़िया पूर्णिमा मेला के लिए तैयारियां की जा रही हैं। इन तैयारियों को कल व आज हुई वर्षा से झटका लग गया। गिरिराजजी की सप्तकोसी परिक्रमा मार्ग में बारिश के कारण जगह-जगह जल भराव की स्थिति नजर आई। यदि इसी तरह की वर्षा हुई तो मुड़िया पूर्णिमा मेला में बारिश प्रशासन की मुश्किलें बढ़ा सकती है। रविवार व सोमवार को हुई बारिश से आन्यौर परिक्रमा मार्ग, बड़ा बाजार, राधाकुंड में जलभराव हो गया। पार्किंग स्थल भी पानी से लबालब भरे हुए नजर आए। अब वर्षा के मौसम को देखते हुए प्रशासन को बारिश से बचाव के लिए नये सिरे से कसरत करनी होगी और अतिरिक्त प्लान तैयार रखना होगा। अगर बारिश हुई तो कच्चा परिक्रमा मार्ग दलदल में तब्दील हो सकता है।

मानसी गंगा के रास्ते में वर्षा का भरा पानी।

सड़क मार्ग पर जगह-जगह जलभराव हो जाएगा।

प्रशासन ने वाहनों के लिए खेतों में पार्किंग चिन्हित की है, लेकिन मेला के दौरान अगर बारिश हुई तो पार्किंग स्थल ताल- तलैया का रूप ले लेंगे। जिससे रास्तों में जाम लग जाएगा। मानसी गंगा के रास्ते पर जल भराव हो गया। मुकंद मणि, राजकुमार तथा महेश सैनी आदि का कहना है कि पार्किंग स्थल में जल भराव की आशंका को देखते हुए प्रशासन को बाईपास मार्गों पर पार्किंग व्यवस्था करना होगी। ये स्थल ऐसे हों जहां पार्किंग में वाहन न फंसें। इसके लिए इंतजाम भी करने होंगे। परिक्रमा मार्ग में जगह-जगह जलभराव के कुछ स्थान निश्चित हैं। पूर्व में ही इन जगहों को चिन्हित कर यदि व्यवस्था कर ली

परिक्रमा मार्ग में जगह-जगह हुआ जल भराव

पार्किंग स्थलों में भी घुसा पानी, बढ़ा प्रशासन का सिर दर्द

जाए तो जलभराव से मुक्ति मिल सकती है। सहायक मेला अधिकारी व एसडीएम गोवर्धन नीलम श्रीवास्तव ने बताया कि बारिश के कारण अगर अस्थाई पार्किंग स्थल में परेशानी आती है तो उसके लिए पहले से ही प्लान तैयार है। कच्चे मार्ग दुरस्त कराए जा रहे हैं। सड़क मार्ग पर जल भराव होने वाले स्थल चिन्हित किए जा चुके हैं, तत्काल जल निकासी की जाएगी। श्रद्धालुओं को कोई परेशानी नहीं आने दी जाएगी।

हरियाणा रोडवेज मथुरा तक चलाएगा अतिरिक्त बसें

यूनिक समय, फरीदाबाद/ मथुरा। गोवर्धन में आयोजित मुड़िया पूर्णिमा मेला के हरियाणा परिवहन निगम अपनी बसों का संचालन मथुरा तक करेगा। ताकि गिरिराज महाराज के भक्तों को गोवर्धन पहुंचने में किसी भी प्रकार की कोई परेशानी न हो। इसके लिए बल्लभगढ़ डिपो की ओर से अतिरिक्त बसों का संचालन किया जाएगा। बल्लभगढ़ बस डिपो से 10 से 12 बसें मथुरा रूट पर चलती है। गोवर्धन में मुड़िया पूर्णिमा मेला में दूर दराज से लाखें की संख्या में भक्त गिरिराज की

गोवर्धन मेला में 4 से 11 जुलाई तक बल्लभगढ़ से चलेंगी बसें

परिक्रमा लगाने जाते हैं। स्मार्ट सिटी के लोगों को मेले में पहुंचने में कोई परेशानी ना हो, उसके लिए रोडवेज की ओर से अतिरिक्त बसों का संचालन किया जाएगा। ड्यूटी इंचार्ज ओम प्रकाश ने बताया कि लोगों की संख्या को देखते हुए अतिरिक्त बसों का संचालन किया जाएगा। उनके पास बसों से लेकर कर्मचारियों की कोई कमी नहीं है।

स्कूल चलो अभियान के लिए मिले स्कूलों को दो-दो लाख रुपये

यूनिक समय, मथुरा। शैक्षिक सत्र 2025-26 में ग्रीष्मावकाश के पश्चात विद्यालय पुनः खुलने पर विभाग से प्रत्येक विद्यालय को दो-दो लाख रुपये की सहायता उपलब्ध कराई गई है। शैक्षिक सत्र 2025-26 में ग्रीष्मावकाश के पश्चात विद्यालय पुनः खुलने पर नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं का स्वागत एवं "स्कूल चलो अभियान के द्वितीय चरण एक से 15 जुलाई तक के संचालन के लिए दो-दो लाख रुपये की धनराशि प्रत्येक विद्यालय को जारी कर दी है। शिक्षा महानिदेशक ने सभी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को भेजे गए पत्र कहा कि विद्यालय स्तर पर "स्कूल चलो अभियान के अन्तर्गत छात्र-छात्राओं को अधिक से अधिक नामांकन कराने के लिए जनप्रतिनिधियों, स्थानीय समुदाय, विद्यालय प्रबन्ध समिति के सदस्यों, माँ समूह के सदस्यों, क्षेत्रीय व्यक्ति जिनका शिक्षा क्षेत्र व अन्य कार्यों में योगदान रहा हो से सम्पर्क कर उनका सहयोग प्राप्त किया जाए। विद्यालय स्तर पर अभिभावकों की बैठक आयोजित की जाए तथा उन्हें सभी बच्चों के नामांकन और उन्हें स्कूल यूनिफॉर्म में नियमित रूप से विद्यालय भेजने के लिए प्रेरित किया जाए।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान शुरू

आशा व आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने निकाली जागरूकता रैली

वरिष्ठा संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। वर्षा के मौसम में फैलने वाले संचारी रोग रोकथाम के लिए स्वास्थ्य समेत जिले के अन्य विभागों के सहयोग से चलाए जा रहे विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान का शुभारंभ मंगलवार को जिला मुख्यालय पर रैली निकाल कर हुआ। नगर निगम के महापौर विनोद अग्रवाल ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय परिसर से रैली को हरी झण्डी दिखाकर शुभारंभ किया। रैली में स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों, एएएनएम, आशा, आंगनबाड़ी कार्यकत्री तथा नगर निगम के कर्मचारी शामिल थे।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजीव यादव, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गोपाल गर्ग, अपर मुख्य चिकित्सा

जिला मुख्यालय पर संचारी रोग नियंत्रण जागरूकता रैली निकालते हुए आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता।

अधिकारी डॉ. आलोक कुमार, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी (वीबीडी) डॉ. अनुज चौधरी, पब्लिक हेल्थ एक्सपर्ट डॉ. रोहिताश तेवतिया, जिला कुष्ठ अधिकारी डॉ. बीडी गौतम, जिला प्रशासनिक अधिकारी डॉ. अनुज यादव, चिकित्सा अधिकारी डॉ. रोहिताश मीना, जिला स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी जितेंद्र सिंह, डीसीपीएम अर्बन कॉर्डिनेटर, डीएमसी यूनिसेफ एवं वरिष्ठ मलेरिया

महापौर ने दिलाई संचारी रोग के बचाव को शपथ

निरीक्षक संतोष तिवारी, मलेरिया निरीक्षक राहुल सिंह सिसौदिया, अनिल कुमार वर्मा, नितिन रस्तोगी तथा आश्रिता सिंह आदि उपस्थित थे।

रैली के समापन पर हुई सभा में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजीव यादव ने संचारी रोगों से बचाव एवं डायरिया रोग से बचाव पर दिशा निर्देश दिये। महापौर विनोद अग्रवाल ने संचारी रोगों से वचाव को शपथ दिलायी। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी/ वीबीडी डॉ. अनुज चौधरी ने संचारी रोग नियंत्रण पर प्रकाश डाला।

पहले ही दिन माध्यमिक शिक्षा विभाग के एप में आई बाधा

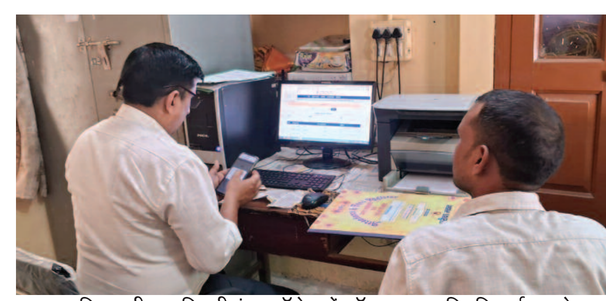

बरसाना स्थित श्रीराधा बिहारी इंटर कॉलेज में ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कराने का प्रयास करते शिक्षक।

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। माध्यमिक विद्यालयों में जुलाई माह के प्रथम दिन ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कराने के लिए एप में व्यवधान आने की वजह से शिक्षक, प्रधानाचार्य एवं छात्र-छात्राओं को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। काफी प्रयासों के बाद शिक्षकों की उपस्थिति दर्ज हुई वहीं बच्चों की उपस्थिति काफी देरी से दर्ज हो रही थी। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद के सचिव भगवती सिंह ने सभी जिला विद्यालयों निरीक्षकों को कड़े निर्देश दिए कि सभी राजकीय, एडेड, मान्यता प्राप्त वाले हाईस्कूल व इंटर कॉलेजों के शिक्षक, शिक्षिकाओं, छात्र-छात्राओं और अन्य स्टाफ की एक जुलाई से ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कराने को कहा था। इसके लिए गूगल पर एक एप जारी किया गया था। इसको माध्यमिक शिक्षा विभाग के इलाहाबाद मुख्यालय से जोड़ा गया था। जवाहर विद्यालय इंटर कॉलेज मथुरा का भी एक विद्यालय समय में पूरे दिन नहीं चला। कॉलेज के शिक्षक जय

शिक्षक-शिक्षिकाओं और छात्रों को उपस्थिति दर्ज कराने में हुई दिक्कतें

प्रकाश शर्मा ने बताया कि काफी प्रयासों के बाद भी एक नहीं खुला। जिससे शिक्षकों की ही नहीं बल्कि बच्चों की उपस्थिति दर्ज नहीं हुई।

श्री राधा बिहारी इंटर कॉलेज बरसाना के प्रधानाध्यापक कमल गौड़ ने बताया कि ऑनलाइन उपस्थिति कॉलेज के कम्प्यूटर और लेपटॉप से दर्ज कराने के माध्यमिक शिक्षा विभाग का एप नहीं चला। एक ओर जारी एप देरी से खुल रहा था। वहीं छात्रों की उपस्थिति दर्ज कराने में काफी समय लग रहा था। सूत्रों ने बताया कि जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में भी एप दोपहर तक नहीं खुला।

इस कारण कोई भी अधिकारी या कर्मचारी पता नहीं कर सका कि विद्यालयों में उपस्थिति दर्ज हुई या नहीं।

पेंशन अदालत कलेक्ट्रेट में 24 जुलाई को

यूनिक समय, मथुरा। वरिष्ठ कोषाधिकारी मुन्ना लाल शुक्ल ने बताया कि डीएम चंद्र प्रकाश सिंह के आदेश पर 24 जुलाई को अपराह्न एक बजे कलेक्ट्रेट सभागार में पेंशन अदालत का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने पेंशन भोगियों से कहा है कि यदि उनकी पेंशन संबंधी कोई परेशानी हो तो वे अपने वाद पत्र की दो-दो प्रतियां उनके कार्यालय में 14 जुलाई तक जमा करा दें। इस अदालत में वे ही पेंशन भोगी उपस्थित होंगे जिनकी कोई समस्या हो।

परिषदीय विद्यालयों में हुई चहल पहल

स्कूल आने पर बच्चों का शिक्षक शिक्षिकाओं ने किया स्वागत

ग्रीष्म अवकाश के बाद जुलाई के प्रथम दिन स्कूल आने पर बच्चों का टीका लगाकर स्वागत करती एक शिक्षिका।

एक प्राथमिक विद्यालय में प्रथम दिन बच्चे खेल खेलते हुए।

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। ग्रीष्म अवकाश के बाद जुलाई माह के प्रथम दिन को प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, माध्यमिक विद्यालय पुनः खुलने पर नव प्रवेशित छात्र–छात्राओं का स्कूल आने पर शिक्षक एवं शिक्षिकाओं ने स्वागत किया। स्कूलों के शिक्षक शिक्षिकाओं ने स्कूल चलो अभियान का द्वितीय चरण आज से

ग्रीष्मावकाश के बाद प्रथम दिन छात्रों की उपस्थिति रही कम

प्रारम्भ किया। 1 से 15 जुलाई तक परिषदीय विद्यालयों में स्कूल चलो अभियान का द्वितीय चरण चलेगा। इसमें बच्चों के नामांकन के लिए घर–घर संपर्क, स्कूल चलो रैली और विद्यालय प्रबंधन समिति सदस्यों, स्थानीय समुदाय के सहयोग से नामांकन बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा। जिससे 6–14 वर्ष का कोई भी बच्चा नामांकन से वंचित न रह जाय। आज प्रथम दिन विद्यालयों में कम छात्र संख्या रही। अक्षय पात्र संस्था ने बच्चों को खीर और तहरी वितरित की। विद्यालयों में प्रथम दिन खेल-खेल में शिक्षण कार्य कराया गया। उच्च प्राथमिक विद्यालय जरैली नगला के प्रधानाध्यापक त्रिलोक चंद्र दुबे एवं मथुरा शहर की पूर्व एबीआरसी प्रीति भटनागर ने बताया कि स्कूलों में भी बच्चों की उपस्थिति कम रही। प्राथमिक विद्यालय गौसना राया के प्रधानाध्यापक के गोवर्धन दास गुप्ता ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार बच्चों का नामांकन बढ़ाने के लिए समस्त स्टाफ द्वारा जन संपर्क किया जा रहा है।

तीन दिन पहले खुर्जा नहर में डूबे युवक का शव नौहझील में मिला

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जनपद बुलंदशहर के थाना खुर्जा के गांव अहरौली नगला से नहर में डूबे युवक का शव कल नौहझील थाने के गांव भूरेका में गंग नहर में मिला। बताया गया कि 28 जून को गांव अहरौली नगला निवासी रघुवीर सिंह बाइक से गंगनहर में स्नान करने के लिए गया था। देर सायं तक उसके वापस न आने पर परिवार के लोगों ने उसकी तलाश की तो पता लगा कि नहर के किनारे उसकी बाइक खड़ी मिली। इसके साथ ही उसके कपड़े भी वहां रखे हुए मिले। इससे परिवारीजनों को आशंका हुई कि वह नहर में स्नान करने के दौरान पानी में डूब गया है। इस पर परिवार के लोगों और गांव के लोगों ने युवक की नहर के पानी में तलाश शुरू कर दी। पुलिस को भी इस बारे में बताया गया। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों और गोताखोरों ने नहर में डूबे

युवक की बाइक और कपड़े नहर के किनारे मिले थे

परिवार के लोग शव की कर रहे थे तलाश

युवक की तलाश की, लेकिन काफी प्रयास के बाद भी शव बरामद नहीं हो सका। युवक का शव नहर में बहता हुआ थाना नौहझील के गांव भूरेका पहुंच गया।

नहर में शव पड़ा होने की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को नहर से बाहर निकलवाया। परिवार और खुर्जा पुलिस को नहर में मिली लाश के बारे में जानकारी दी। परिवार के लोगों ने शव की शिनाख्त रघुवीर (30) के रूप में की। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद शव को परिवारीजनों को सौंप दिया।

खेत में महिला को सांप ने डंसा

यूनिक समय, मथुरा। थाना जैंत के गांव बड़ोदरा में खेत पर काम करने के दौरान एक महिला को सांप ने डंस लिया। महिला की हालत खराब होने पर उसे जिला अस्पताल लाया गया जहां से उसे आगरा के लिए रेफर कर दिया गया।

बड़ौदरा निवासी राज सिंह की पत्नी पार्वती आज प्रातः खेत में काम करने के लिए गई थी। खेत में भरे पानी से बचने के लिए घास में छिपे बैठे सांप ने महिला के पैर

महिला की हालत गंभीर होने पर आगरा किया गया रेफर

में डस लिया। सांप के डंसने पर महिला ने शोर किया। शोर सुनकर परिवार के लोग भी वहां पहुंच गए। महिला को परिवार के लोग अस्पताल लाए। जिला अस्पताल में चिकित्सकों ने महिला की चिंताजनक हालत को देखते हुए आगरा के एसएन मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया।

सीएफओ एनपी सिंह हुए सेवानिवृत्त

सेवानिवृत्त होने पर सीएफओ एनपी सिंह का स्वागत करते फायर बिग्रेड के कर्मचारी।

यूनिक समय, मथुरा। मुख्य अग्निशमन अधिकारी एनपी सिंह के सेवानिवृत्त होने पर फायर बिग्रेड के कर्मचारियों ने विदाई दी। भूतेश्वर स्थित अग्नि शमन कार्यालय में सीएफओ एनपी सिंह के सेवानिवृत्त होने पर कर्मचारियों ने विदाई दी। सीएफओ ने कहा कि उनको भगवान श्रीकृष्ण का आशीर्वाद मिला था। उसी वजह से भगवान की नगरी में लोगों की सेवा के लिए आया था। उन्होंने इस क्षेत्र के लोगों की समस्याओं को देखकर सेवा की। वक्ताओं ने कहा कि हम लोगों को ऐसा नहीं लग रहा है कि हमारे सीएफओ सेवानिवृत्त हो गए है। इनके कार्यकाल को कोई भुला ही नहीं सकता है। इस मौके आर के वाजपेयी, नरेश कुमार, किशनलाल समस्त स्टाफ मौजूद था।

GLA UNIVERSITY
Accredited with A+ Grade by NAAC
Mathura | Greater Noida
27 Years
ADMISSIONS OPEN 2025-26
WHERE DREAMS TAKE FLIGHT
WITH SCHOLARSHIPS UPTO 90% for JEE Main Achievers
MATHURA CAMPUS GREATER NOIDA CAMPUS
NAAC A+ 3.46
nirf 53
Mathura Campus: 17km Stone, NH-19, Mathura -Delhi Road, P.O. Chaumuhan, Mathura-281406 (U.P.) India
Gr. Noida Campus: 15 A, Knowledge Park - II, Greater Noida - 201310 (U.P.) INDIA
+91-9027068068 Visit us: www.gla.ac.in
EMPOWER YOUR GROWTH WITH GLA ONLINE | Find details at online.gla.ac.in

मैडीकल प्रवेश
सरकारी नौकरी प्राथमिकता पर
उ0प्र0 सरकार से मान्यता प्राप्त एवं उ0प्र0 स्टेट मेडीकल फैकल्टी से सम्बद्ध
DPT योग्यता 10+2
डिप्लोमा इन फिजियोथैरिपी
आयु 17 वर्ष से कम न हो। विज्ञान वर्ग (बायो/गणित)
SC/ST, अल्प संख्यक एवं सामान्य छात्रों को प्रवेश सरकारी नियमानुसार
आर. आर. पैरामैडिकल कालेज एण्ड हॉस्पीटल
धौलीप्याऊ, मथुरा। मो0 9058660556, 9412178436
www.rrcollegemathura.com

AMAR HEALTH CARE
COMPLETE NEWBORN CHILD & HEART CARE CENTRE
DR. SANJAY SOOD MBBS, MD (INTERNAL MEDICINE) SENIOR PHYSICIAN, CARDIODIABETOLOGIST 25 Years Experience
DR. MEENA SOOD MBBS, MD (PEDIATRICS) SENIOR PEDIATRICIAN, NEONATALOGIST 25 Years Experience
Super Speciality Adult & Pediatrics OPD · Cardiology · Nephrology · ORTHO · Neuro · DENTAL · Gastroenterology
• नवजात शिशु एण्ड चाईल्ड केयर • डायबिटीज एण्ड हार्ट केयर सेंटर
• सभी वैक्सीन प्रतिदिन उपलब्ध
FACILITIES
• ICU • PICU • NICU • CPAP • ventilator
• E.C.G & ECHO • T.M.T & P.F.T • Pathology
• Cash Less Tpa • Ambulance • Parking
• Canteen • Digital X Ray • O.T.
• Operation by Laparoscopic Method
Radha Puram Crossing Nh-19, Mathura 7060998059 8307070007

के.डी. मेडिकल कॉलेज हॉस्पीटल एण्ड रिसर्च सेंटर
अकबरपुर, छाता, मथुरा, मो. 7055400400, 7088105741
किडनी एवं मूत्ररोग (यूरोलॉजी विभाग)
पथरी, प्रोस्टेट एवं सिकुड़न का दूरबीन विधि द्वारा ऑपरेशन
क्या आप इन समस्याओं से परेशान हैं?
बार-बार पेशाब आना, धीरे-धीरे आना, खुलकर न आना, पेशाब के लिए जोर लगाना
पेशाब ना रोक पाना, कपड़ों में निकल जाना
पेशाब में खून आना
पथरी का दर्द
प्रोस्टेट कैंसर
पेशाब की थैली में गांठ
गुर्दों का कैंसर
अण्डकोष में सूजन व दर्द
पेशाब नली में सिकुड़न
ओपीडी फ्री सुबह 9 बजे से सायं 4 बजे तक
Dr. Akil Latief MBBS, MS, MCh (Urology) Urologist | Andrologist Endourologist | Uro-Oncologist Kidney Transplant Surgeon
Dr. Younis Mushtaq MBBS, MS, MCh (Urology) Urologist | Andrologist Endourologist | Uro-Oncologist Kidney Transplant Surgeon
तो हमारे अस्पताल आकर निःशुल्क चिकित्सकीय परामर्श एवं सबसे कम खर्चे पर इलाज कराकर मूत्र एवं किडनी रोग से छुटकारा पाएं।
24/7 आपातकालीन सुविधा
प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना आयुष्मान भारत से ईलाज की सुविधा
भारतीय रेलवे से सम्बद्ध
हेल्थ इंश्योरेन्स से कैशलेस ईलाज की सुविधा
ECHS की सुविधा
सुविधाएं
उच्च प्रशिक्षित एवं अनुभवी डाक्टर्स एवं पैरामेडिकल स्टाफ की टीम
अत्याधुनिक ऑपरेशन थियेटर
आईसीयू, एसआईसीयू, एचडीयू (वेंटीलेटर सहित)
डायलिसिस
ब्लड बैंक
एमआरआई
सीटी स्कैन
पैथोलॉजी

सात दिन में खाद्य सुरक्षा विभाग ने 56 प्रतिष्ठानों पर छापामारी की

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। सहायक आयुक्त धीरेन्द्र प्रताप सिंह के निर्देशन एवं मुख्यखाद्य सुरक्षा अधिकारी ज्ञानपाल सिंह के नेतृत्व में जनपद में मिलावटी खाद्य एवं पेय पदार्थों के विक्रय पर प्रभावी रोकथाम के लिए 26 से 30 जून तक अभियान चलाकर खाद्य पदार्थों के नमूने संग्रहित किए गए। अभियान में खाद्य सुरक्षा अधिकारी धर्मेन्द्र सिंह ने छाता क्षेत्र से खोआ बर्फी, अरहर दाल, बेसन का एक–एक नमूना व हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, दलिया, राजश्री पान मसाला, तानसेन पान मसाला, सोयाबीन रिफाइण्ड ऑयल, सूखा नारियल, सरसों का तेल, खाद्य तेल (कढ़ाई से), हल्दी पाउडर, पोहा, चाय, गरम मसाला, पान मसाला व रिफाइण्ड सोयाबीन तेल का एक–एक सर्विलांस नमूना संग्रहित किया।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी जितेन्द्र सिंह ने गोवर्धन तहसील क्षेत्र से फोर्टिफाइड रिफाइण्ड सोयाबीन तेल का सर्विलांस नमूना संग्रहित किया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी मोहर सिंह कुशवाह ने डेम्पियर नगर से पनीर के दो व सरसों का तेल, ड्राई फ्रूट मिक्सचर, रिफाइण्ड सोयाबीन तेल का एक–एक नमूना संग्रहित किया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी भरत सिंह ने राधा वाटिका मथुरा से मैंगो ड्रिंक का एक नमूना और कुंज नगर, मथुरा से चावल का एक नमूना व लाल मिर्च पाउडर, रिफाइण्ड सोयाबीन तेल, अरहर दाल, बेसन का एक–एक सर्विलांस नमूना संग्रहित किया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी दलवीर सिंह ने बल्देव रोड, महावन से मिश्रित दूध के दो, खीर मोहन के तीन तथा हल्दी, खोआ, मसूर दाल, अरहर दाल व चाय का एक–एक सर्विलांस नमूना संग्रहित किया गया तथा राधा वाटिका मथुरा में स्थित निर्माण इकाई से एनर्जी ड्रिंक का एक नमूना लिया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी राम नरेश ने मांट तहसील क्षेत्र से मिल्क केक व खोआ का एक–एक नमूना संग्रहित किया गया। इस प्रकार कुल 56 खाद्य पदार्थों के नमूने संग्रहित किये गए। संग्रहित खाद्य नमूनें विश्लेषण हेतु राजकीय खाद्य प्रयोगशाला प्रेषित किये जा रहे हैं। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरान्त अग्रिम विधिक कार्यवाही की जायेगी।

आगामी मुड़िया मेला के दृष्टिगत खाद्य कारोबारकर्ताओं को निर्देशित किया गया कि मेला अवधि में आने वाले श्रद्धालुओं को गुणवत्तायुक्त खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध कराये जाएं तथा अपने प्रतिष्ठानों में दृश्य स्थान पर अनुज्ञप्ति/ पंजीकरण प्रदर्शित करें, खाद्य पदार्थ की रेट लिस्ट लगायें, खाद्य पदार्थों को ढककर रखें, खाद्य परिसर व आस–पास स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाये। मुड़िया मेला को पॉलीथिन मुक्त बनाने में सहयोग करें। समस्त खाद्य कारोबारकर्ता अपने प्रतिष्ठानों पर ढक्कनयुक्त डस्टबिन अवश्य रखें। खाद्य पदार्थ का निर्माण व विक्रय करते समय हैड कैप, एप्रिन, हैन्डग्लब्स का प्रयोग करना सुनिश्चित करें।

जेसीआई मथुरा के स्वास्थ्य पर विशेष सत्र में शामिल पदाधिकारी।

जेसीआई मथुरा का महिलाओं के स्वास्थ्य पर विशेष सत्र

यूनिक समय, मथुरा। जेसीआई मथुरा के बैनर तले स्वास्थ्य को लेकर उपयोगी और जानकारीपूर्ण सत्र का आयोजन एक होटल में किया। मुख्य वक्ता सरल हेल्थ केयर की सीनियर रेडियोलॉजिस्ट एवं निदेशिका मुख्य वक्ता डॉ. रूपा ने सत्र के मुख्य विषय घर पर इमरजेंसी से कैसे निपटें पर सरल भाषा में अत्यंत उपयोगी जानकारी दी। उन्होंने घरेलू दुर्घटनाओं, स्वास्थ्य संकटों और त्वरित प्राथमिक उपचार के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। अध्यक्षता श्रीमती रूमा अग्रवाल (अध्यक्ष) ने की। मंच संचालन व समन्वय में सचिव ललिता अग्रवाल और कोषाध्यक्ष अंजलि खंडेलवाल का विशेष योगदान रहा। इसमें तंबोला, रोचक खेल और अंताक्षरी का मानसून थीम से गतिविधियों ने सभी को आनंदित कर दिया। इस अवसर पर रूपाली, अग्रवाल अलका, शैली, अमला खंडेलवाल, निमिषा, कविता तथा बबिता आदि उपस्थित थी।

मुआवजा की मांग को लेकर धरना 15 वें दिन भी जारी

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा ब्लॉक के गांव कोटा मौजा में भारतीय किसान यूनियन (सुनील) का अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन आज 15 वे दिन भी चला। भारतीय किसान यूनियन (सुनील) के युवा उत्तर प्रदेश अध्यक्ष बिट्टू पंडित ने अपनी टीम के साथ पहुंचकर किसानों के आंदोलन को अपना समर्थन दिया। राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन चतुर्वेदी, भारतीय किसान यूनियन (चौधरी चरण सिंह) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चौधरी पुष्पेंद्र बघेल ने कहा कि किसानों के धरने को 15 दिन हो चुके हैं लेकिन किसानों की कोई भी मांग अभी तक नहीं मानी गई। जिला प्रशासन अपनी किसान विरोधी मानसिकता का परिचय दे रहा है। मुआवजा की मांग को लेकर भीषण गर्मी एवं बरसात में भी महिला पुरुष धरने पर डटे हुए हैं। भारतीय किसान यूनियन सुनील के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन चतुर्वेदी, भारतीय किसान यूनियन सुनील के युवा उत्तर प्रदेश अध्यक्ष बिट्टू पंडित मुआवजा की मांग को लेकर तीन जुलाई से भूख हड़ताल पर बैठेंगे।

विज्ञापन पर जिम्मेदारी नहीं

समाचार पत्र ने स्पष्ट किया है कि किसी विज्ञापन में प्रकाशित उत्पाद या सेवा की पुष्टि नहीं करता। पाठकों को सलाह दी गई है कि प्रतिक्रिया देने से पहले पूरी जांच-पड़ताल करें, क्योंकि अखबार किसी भी दावे का उत्तरदायी नहीं होगा।

नौ माह की चोरी हुई बच्ची को पुलिस ने किया सकुशल बरामद

बच्ची को मां के साथ फुटपाथ पर सोते समय किया था अगवा

पुलिस ने दो अपहरणकर्ताओं को किया गिरफ्तार

9 माह की बच्ची लेने से नि:संतान महिला ने कर दिया था इंकार

यूनिक समय, मथुरा। छटीकरा-वृंदावन मार्ग पर चंद्रोदय मंदिर के पास फुटपाथ पर सोती महिला की नौ माह की बच्ची चार दिन पूर्व रात्रि में चोरी हो गई थी। बच्ची की पुलिस टीम ने बरामद कर लिया। बच्ची को चोरी करने वाले दो अभियुक्तों को भी गिरफ्तार कर लिया है। बच्ची को एक निसंतान महिला को दिया जा रहा था। महिला ने बच्ची को लेने से इंकार कर दिया था।

एसएसपी श्लोक कुमार ने बताया कि 26/27 की रात को चंद्रोदय मंदिर के समीप फुटपाथ पर एक महिला अपनी नौ माह की बच्ची के साथ सो रही थी। रात में बच्ची को कोई उठा ले गया था। बच्ची को बरामद करने और अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए एसओजी सर्विलांस टीम के साथ जैंत थाने की टीम को लगाया गया था। इन तीनों टीमों ने 300 से अधिक सीसीटीवी केमरों की फुटेज को चेक किया। इसके साथ ही इलैक्ट्रोनिक सर्विलांस और मैनुअल इनपुट की मदद से बच्ची को चोरी करने वालों के बारे में जानकारी एकत्रित की गई। इसके बाद पुलिस टीम ने नरेश निवासी 58 बीब कीर्ती नगर डिफेंस कॉलोनी थाना सदर बाजार आगरा कैंट व विष्णु कुमार उर्फ राजा निवासी मकान नंबर बी30 डिफेंस कॉलोनी महोली रोड थाना हाईवे जो कि न्यू पुष्प वाटिका कॉलोनी चांदबारी रोड सारसा चौराहा भरतपुर में रह रहा था को गिरफ्तार कर लिया। अभियुक्त विष्णु ने बताया कि उसकी रिश्तेदार एक महिला के बच्चे न होने के कारण उसने नवजात बच्चा गोद दिलाने को कहा था। विष्णु ने इसके चलते अपने साथी नरेश के साथ मिलकर थाना जैंत क्षेत्र से बच्ची को अगवा कर लिया। नरेश ने जब अपनी इस रिश्तेदार महिला को नौ माह की बच्ची ले जाकर दी तो उसने बच्ची को लेने से यह कहकर इंकार कर दिया कि उसे नौ माह की बच्ची नहीं चाहिए। नवजात बच्चा चाहिए। इस तरह पुलिस टीम ने अगवा की गई बच्ची को सकुशल बरामद कर लिया। पुलिस ने बच्ची को चोरी करने में प्रयोग की गई बुलट मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली। एसएसपी ने इस तरह बच्ची को सकुशल बरामद करने पर पुलिस टीम को बधाई दी है। बरामद करने वाली टीम में एसओजी प्रभारी राकेश यादव, सर्विलांस प्रभारी विकास शर्मा और थाना जैंत प्रभारी निरीक्षक अश्वनी कुमार और पुलिस टीम है।

विद्यालय आए बच्चों ने किया मां सरस्वती का पूजन

यूनिक समय, वृंदावन। परिक्रमा मार्ग स्थित बिन्दु सेवा संस्थान में गर्मी की छुट्टियों के बाद आज प्रथम दिन जब बालक स्कूल आए तो विद्यालय परिवार ने उनके साथ मां सरस्वती का पूजन किया व बच्चों का स्वागत करते हुए उनके तिलक लगाया। निदेशक पूर्णेन्दु गोस्वामी ने कहा कि सरकार बच्चों को शिक्षा से जोड़ने की नीति पर लगातार कार्य कर रही है। वहीं भगवान परशुराम शोभायात्रा समिति उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष आशीष गौतम चिंटू भैया के सहयोग से आज उनकी लाड़ली बिटिया एकांक्षी की याद में उसके जन्मदिन पर स्कूल में निर्धन व असहाय परिवारों के अध्ययनरत बच्चों को पेंसिल, रबर, कटर, स्केल, कॉपी पाठ्य एवं खाद्य सामग्री का वितरण कर उसे याद किया। इस मौके पर पार्थकृष्ण गौतम, विष्णु गोला, प्रधानाचार्य सुशीला परिहार, गुंजन सक्सेना, रचना, अंजलि शर्मा, रेणु, चंद्रनारायण, चैतन्य कृष्ण शर्मा तथा अर्जुन कुशवाह आदि उपस्थित थे।

जीएलए के छात्रों को माइक्रोसॉफ्ट में मिला इंटर्नशिप का अवसर

जीएलए विश्वविद्यालय के बीटेक सीएसई विभाग ने तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता की नई मिसाल कायम की

यूनिक समय, मथुरा। तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता की नई मिसाल कायम करते हुए जीएलए विश्वविद्यालय एक बार फिर एक और सफलता की सीढ़ी पर चढ़ चुका है। विश्वविद्यालय के बीटेक कंप्यूटर इंजीनियरिंग एंड एप्लीकेशन विभाग के चार होनहार छात्रों को दिग्गज आईटी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट में बेहतर स्टाइपेंड पर इंटर्नशिप का अवसर मिला है। माइक्रोसॉफ्ट कंपनी में इंटर्नशिप के लिए चयनित हुए विद्यार्थी अंजलि दीक्षित, गौरी सिंह, पीयूष वर्मा और छवि गोयल प्रतिमाह एक लाख 25 हजार आकर्षक स्टाइपेंड दी जाएगी। यह बेहतर अवसर विद्यार्थियों के न केवल तकनीकी कौशल और शैक्षणिक प्रतिभा की मान्यता है, बल्कि जीएलए की इंडस्ट्री–फोकस्ड शिक्षा, व्यावहारिक प्रशिक्षण और नवाचार आधारित शिक्षण प्रणाली की भी बड़ी उपलब्धि है। जीएलए इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के डीन प्रो अशोक भंसाली ने बताया कि विद्यार्थियों की चयन प्रक्रिया अत्यंत प्रतिस्पर्धात्मक थी। इसमें छात्रों को हैकर रैंक आधारित ऑनलाइन कोडिंग असेसमेंट, टेक्निकल इंटरव्यू और अंत में प्रॉब्लम सॉल्विंग एवं डीएसए आधारित राउंड्स से गुजरना पड़ा। यह पूरी प्रक्रिया माइक्रोसॉफ्ट की यूनिवर्सिटी हायरिंग नीति के अंतर्गत आयोजित की गई। उन्होंने छात्रों को दी जा रही तकनीकी शिक्षा पर बोलते हुए बताया कि विश्वविद्यालय का पाठ्यक्रम समय-समय पर अपडेट किया जाता है, ताकि एआई, एमएल, क्लाउड कम्प्यूटिंग, साइबर सिक्योरिटी और डाटा साइंस जैसे उभरते हुए क्षेत्रों की नवीनतम जानकारी छात्रों को मिल सके। यह उपलब्धि यह दर्शाती है कि जीएलए विश्वविद्यालय केवल डिग्री के लिए नहीं, बल्कि वैश्विक करियर को संजोने की तैयारी कराता है। विभागाध्यक्ष डाक गौरव बाठला के अनुसार माइक्रोसॉफ्ट जैसी वैश्विक कंपनियां विशेष रूप से छात्रों की डाटा स्ट्रक्चर एंड एल्गोरिथ्म, ओप्स, ऑपरेटिंग सिस्टम, डीबीएमएस तथा सिस्टम डिजाइन की तकनीकी समझ और लिट कोड तथा कोड फोर्सेस प्लेटफॉर्म्स पर निरंतर अभ्यास को प्राथमिकता देती हैं। जीएलए विश्वविद्यालय में छात्रों को इन सभी विषयों में गहराई से प्रशिक्षित किया जाता है।

साथ ही गिट हब पर प्रोजेक्ट्स कार्य करना, ओपन–सोर्स में योगदान देना और कॉम्पिटेटिव प्रोग्रामिंग कल्चर में भागीदारी विद्यार्थियों को इंडस्ट्री के लिए पूर्णत तैयार करती है। नवाचार और इंडस्ट्री एक्सपोजर का केंद्र जीएलए जीएलए विश्वविद्यालय में शिक्षक और छात्र नवाचार की ओर लगातार अग्रसर हैं। इसी के चलते कंपनियों ने भी जीएलए की ओर कदम बढ़ाकर छात्रों के लिए रोजगार के द्वार खोले हैं। दिग्गज आईटी कंपनी पिछले कई वर्षों से जीएलए विश्वविद्यालय से जुड़कर विद्यार्थियों को बेहतर पैकेज पर रोजगार दे रही है। इस कंपनी में अब तक 37 से अधिक विद्यार्थियों को रोजगार मिल चुका है।

माइक्रोसॉफ्ट में विद्यार्थियों को मिली सफलता पर बोलते हुए कुलपति प्रो अनूप कुमार गुप्ता कहते हैं कि यह सफलता विश्वविद्यालय की उन शैक्षणिक रणनीतियों का प्रतिफल है, जो छात्रों को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं रखती। यहां छात्रों को कैप्स्टोन प्रोजेक्ट्स, हैकाथॉन, पिअर लर्निंग सेशन और इंडस्ट्री मेंटरशिप जैसी गतिविधियों से जोड़कर उन्हें वास्तविक समस्याओं के व्यावहारिक समाधान देने में सक्षम बनाया जाता है।

शेरगढ़ के पटेल चौक पर बना गहरा गड्ढा

शेरगढ़ के पटेल चौक चौराहा के निकट सड़क पर बना गहरा गड्ढा।

संवाददाता

प्रशासन कर रहा किसी बड़े हादसे का इंतजार

यूनिक समय, शेरगढ़ (मथुरा)। कस्बा शेरगढ़ के पटेल चौक चौराहा पर काफी गहरा गड्ढा हो गया है। इसके कारण वहां आए दिन हादसे हो रहे हैं। किसी की बाइक गिर जाती है तो किसी की गाड़ी फंस जाती है। इसके कारण वाहन चालकों को नुकसान होता है और राहगीर तो आए दिन चोटिल हो रहे हैं। लेकिन सभी जनप्रतिनिधियों का भी यही से गुजरना होता है। उसके बावजूद भी सभी जनप्रतिनिधि इस समस्या से बिल्कुल अनजान बने हुए है। प्रशासनिक अधिकारी भी किसी बड़े हादसे जा इंतजार कर रहे है। वहां पर निवास करने वाले कई निवासियों ने तो राहगीरों का जीना दुश्वार कर रखा है। अपने घरों के गन्दे पानी को खुलेआम रोड पर चला रखा है वहां पर रहने वाले दुकानदारों के काफी मना करने के बावजूद भी मानने के लिए तैयार नहीं है। उनको प्रशासन का बिल्कुल खौफ नहीं है या फिर उनकी साथ साठगांठ अच्छी है। भारी जलभराव होने से नई नई बीमारी उत्पन्न होने लगी है।

बारिश से अनाज मण्डी परिसर जलमग्न

समय से नहीं होती है सफाई व्यवस्था

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जिले के प्रमुख अनाज मंडी परिसर में आज पानी ही पानी नजर आया। वजह बनी दो दिन पहले हुई मूसलाधार बारिश। मथुरा कृषि मंडी परिसर का मुख्य हिस्से में सबसे अधिक पानी भरा हुआ है। मण्डी परिसर में जलभराव व्यापारी और किसानों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है क्योंकि यहां से पानी निकलने का कोई रास्ता नहीं है।

जलभराव के कारण समय से व्यापारियों की आढ़तें भी नहीं खुल पा रहीं हैं। कई व्यापारियों ने बताया कि ये हाल तो हर साल का हो गया है। कभी भी नालियां ढंग से साफ नहीं हो पाती है। कचरा भरा रहता है। दिखाने के लिए कई बार सफाई अभियान तो चले लेकिन नालियों की नियमित रूप सफाई नहीं की गई। उधर, शहर के कई इलाकों में जलभराव होने के कारण वाहन चलाने वाले अपने घरों व कार्यालय में जाते हैं तो पूरे शहर का चक्कर लगाना पड़ता है। लोगों का कहना है, कि जलभराव होने के कारण समय तो खराब होता ही है लेकिन पेट्रोल भी काफी फुंकता है।

मथुरा स्थित कृषि मंडी परिसर में बारिश के भरे पानी का नजारा।

बाइक सवार वृद्ध की दुर्घटना में हुई मौत

यूनिक समय, मथुरा। थाना बरसाना क्षेत्र स्थित बरौठ और नंदगांव के बीच बाइक सवार को किसी वाहन ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। गांव महराना निवासी वृद्ध भूप सिंह कल सायं करीब पांच बजे नंदगांव से महराना के लिए लौट रहा था। रास्ते में भूप सिंह की बाइक को किसी वाहन ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में वह बुरी तरह से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा। मौके पर पहुंचे लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस के पहुंचने से पूर्व वृद्ध ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने मृतक के पास से मिले कागजात के आधार पर उसके परिवारीजनों को इस हादसे के बारे में जानकारी दी। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

जमीन के विवाद में पिता और दो बेटियों पर किया हमला

खेत पर घास लेने के दौरान फर्सा व फावड़ों से किया था घायल

रिपोर्ट दर्ज न होने पर एसएसपी से लगाई पीड़ितों ने गुहार

यूनिक समय, मथुरा। थाना राया के गांव नगला गजू में पारिवारिक रंजिश के चलते खेत में घास काट रहे एक परिवार के तीन सदस्यों को फर्सा व फावड़े के प्रहार कर के हमलावरों ने गंभीर रूप से घायल कर दिया। चौकी इंचार्ज द्वारा इस मामले में कार्रवाई न किए जाने से दुखी घायल परिवार ने एसएसपी से इस मामले की शिकायत की है। गांव गजू निवासी लाखन सिंह गांव छोड़ कर दयानंद कॉलोनी डबल फाटक हाथरस रोड राया में रह रहा है। बताया गया कि लाखन सिंह के नाम वसीयत के आधार पर आठ बीघा जमीन आ गई। उसका परिवार 29 जून को प्रातः नौ बजे खेत में घास निकाल रहा था। लाखन के साथ उसकी दो बेटियां शिवानी और पूनम भी थी। लाखन के भाई शिव सिंह, राममूर्ति, गोपाल और इनके परिवार वहां आए इन लोगों ने फावड़े, फर्से लाठियों से तीनों लोगों के साथ जमकर मारपीट की। हमलावरों ने लाखन के सिर पर प्रहार किया और पैर काट दिया। पूनम के भी गंभीर चोट आई। बताया गया कि इस मामले में हमलावरों के खिलाफ पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। पीड़ित परिवार ने इस मामले में एसएसपी कार्यालय पहुंच कर अपने साथ हुई घटना की रिपोर्ट दर्ज कर हमलावरों की गिरफ्तारी की मांग की है।

पूर्व सैनिकों से संगठन को मजबूत बनाने का आह्वान

भूतपूर्व सैनिक संघ की बैठक में मौजूद पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। जनपद भूतपूर्व सैनिक संघ की बैठक कैप्टन जवाहरलाल की अध्यक्षता में जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय परिसर में हुई। इसमें उन्होंने पूर्व सैनिकों से कहा कि संगठन को मजबूत बनाने के लिए सदैव तैयार रहें। बैठक को संबोधित करते हुए जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी कर्नल एके सिंह ने सेवानिवृत्त सैनिकों से कहा कि उनके रजिस्ट्रेशन जिला सैनिक कल्याण कार्यालय में 1 से 24 तक के सभी कार्य दिवस में ऑनलाइन रजिस्टर्ड किए जा सकेंगे। उत्तर प्रदेश इंडियन एक्स सर्विसेज लीग के कोर्डिनेटर खेमचंद शर्मा नगेश ने पूर्व सैनिक पेंशनरों से आग्रह किया कि पीसीडीए पेंशन स्पर्श द्वारा जारी किए गए नए पीपीओ में दी गई जानकारी को सही प्रकार से जांच ले ताकि बाद में किसी प्रकार की परेशानी न हो। बैठक में सूबेदार मेजर प्रताप सिंह तोमर, बृज सिंह पांडव, हरिओम तिवारी, श्याम सुंदर सूबेदार, मुरली धर चतुर्वेदी, मुकेश चंद्र सारस्वत, प्रेम सिंह, विजय शर्मा, राजेंद्र पाल सुरेश चंद्र, हरपाल सिंह, वीर नारी श्रीमती रचना, श्रीमती त्रिवेणी एवं श्रीमती सीमा ने भाग लिया।

पौधारोपण को आदर्श स्थलों का निरीक्षण कर कार्य शुरू कराएं: सीडीओ

विभागीय अधिकारियों को दिए निर्देश

कहा कि एनजीटी के निर्देशों का करें पालन

सी .एन .डी वेस्ट एवं ई वेस्ट हेतु लोगों को करें जागरूक

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जिला पर्यावरण समिति जिला वृक्षारोपण समिति एवं जिला गंगा समिति की बैठक का आयोजन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मुख्य विकास अधिकारी/ जिला गंगा समिति के नोडल अधिकारी मनीष मीना की अध्यक्षता में किया गया। संचालन करते हुए वन विभाग के प्रभागीय निदेशक रजनीकांत मित्तल ने वृक्षारोपण महा अभियान 2025 की तैयारियों से अवगत कराया बिंदु वार समीक्षा करते हुए मुख्य विकास अधिकारी मनीष मीना ने संबंधित विभागों के नोडल अधिकारियों को निर्देश दिए कि पौधारोपण को अपने आदर्श स्थलों का आगामी दो दिनों के भीतर निरीक्षण कर कार्य पूर्ण कराएं। घाटों के निर्माण, मरम्मत एवं सौंदर्यीकरण हेतु एनजीटी के निर्देशों का सख्ती से अनुपालन किया जाए। सी.एन.डी वेस्ट एवं ई वेस्ट प्राप्त करने हेतु लोगों को जागरूक करने के लिए मोबाइल स्पॉट की भांति स्थलों का चिन्हांकन करते हुए जागरूकता बढ़ाई जाए। उन्होंने कहा कि एक ग्राम एक वन के तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत में एक ग्राम की स्थापना की जाए। साथ ही गोपाल वन की स्थापना हेतु राल गौशाला को चिन्हित करते हुए वृक्षारोपण कराया जाए। बैठक में कई विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

गोवर्धन में सुनार की दुकान से लाखों रुपये की चोरी

संवाददाता

यूनिक समय, गोवर्धन (मथुरा)। यूनिक समय, गोवर्धन, मथुरा। कस्बे के मुख्य त्रिपोलिया बाजार में चोरों ने सर्राफ की एक दुकान को अपना निशाना बनाया। चोरों ने दुकान में रखी अल्मारियों के ताले तोड़कर लाखों के सोने चांदी के जेवरात आदि पर हाथ साफ कर दिया। बाजार में हुई चोरी की घटना को लेकर व्यापारियों में आक्रोश है। गोवर्धन के मुख्य बड़ा बाजार में सब्जी मंडी के पास त्रिपोलिया बाजार में राकेश वर्मा की सोने चांदी की दुकान है।

राकेश रात को दुकान बंद करने के बाद अपने घर चलें गए। सुबह जब वह दुकान खोलने के लिए आए तो दुकान में हुई चोरी की वारदात को देख उनके होश उड़ गए। सर्राफे की दुकान में हुई चोरी का पता लगते ही बाजार में व्यापारियों में हड़कंप मच गया। देखते ही देखते राकेश वर्मा की दुकान के आगे व्यापारियों की भीड़ लग गई। चोरों ने छत को काट कर दुकान में अंदर प्रवेश किया और वहां रखी अलमारी को तोड़ कर उसमें रखे सोने चांदी के सभी आभूषण चोरी कर लिए। दुकान मालिक राकेश वर्मा का कहना है कि चोर दुकान से ढाई तोला सोना, ढाई किलो चांदी, 30 नकदी चुरा ले गए हैं। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और बाजार में लगे आस-पास के सीसीटीवी केमरों की फुटेज खंगाली। इस मामले में दुकान मालिक ने अज्ञात चोरों के खिलाफ थाना गोवर्धन में तहरीर दी है।

गोवर्धन में सर्राफा व्यवसायी की दुकान में चोरी के बाद बिखरा सामान।

चोरों ने छत काट कर घटना को दिया अंजाम

बाजार में हुई चोरी की वारदात से व्यापारियों में आक्रोश

डॉक्टर्स डे पर चिकित्सकों को किया सम्मानित

वृंदावन में अंतर्राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे पर डॉ. एसएस जायसवाल को सम्मानित करते वृंदावन बाल विकास परिषद पदाधिकारी।

यूनिक समय, वृंदावन। वृंदावन बाल विकास परिषद के बैनर तले अंतर्राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे पर वृंदावन में कार्यरत चिकित्सकों को सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि विप्र गौरव परशुराम शोभायात्रा समिति के अध्यक्ष धर्मेंद्र गौतम ने कहा कि धरती पर चिकित्सक को भगवान का दूसरा रूप माना जाता है। आज के वर्तमान भागदौड़ वाले जीवन में शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति होगा, जो चिकित्सक के पास न जाता हो। उन्होंने कहा कि यदि वास्तव में देखा जाए तो चिकित्सक हमारे जीवन के केयर टेकर हैं। विशिष्ट अतिथि अमित गौतम एडवोकेट ने कहा कि चिकित्सक भगवान के समान समाज में आदर का भाव पाते हैं। ऐसे है समस्त चिकित्सकों का दायित्व बनता है कि वह रोगी के जीवन की रक्षा भगवान के भक्त की तरह ही करें। सम्मानित अतिथि उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के अध्यक्ष पवन ठाकुर ने कहा कि समाज में चिकित्सकों की भूमिका सदैव अग्रणी रही है। इससे पहले डॉ. एस एस जायसवाल, डॉ. प्रशांत नाथ गुप्ता, डॉ. प्रशांत गौतम, डॉ. सोनल गौड़, डॉ. शैली गुप्ता और डॉ हर्षित नाथ गौतम को सम्मानित किया। इस अवसर डॉ. सचिन अग्रवाल, मुकेश कृष्ण शर्मा, जितेंद्र कुमार गौतम, गोकुल शर्मा तथा आशीष चौहान आदि उपस्थित थे।

सिम्स हॉस्पिटल में केक काटकर मनाया डॉक्टर्स डे

यूनिक समय, मथुरा। सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (सिम्स हॉस्पिटल) में डॉक्टर्स डे के अवसर पर चेयरमैन डॉ. गौरव भारद्वाज के नेतृत्व में सभी वरिष्ठ चिकित्सकों ने केक काटकर समारोहपूर्वक कार्यक्रम मनाया। चिकित्सकों ने एक–दूसरे को केक खिलाकर शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर डॉ. बृजेंद्र कुमार तिवारी, डॉ. पंकज शर्मा, डॉ. अर्पित अग्रवाल, डॉ. एस.के. गुप्ता, डॉ. आशीष शर्मा, डॉ. मनोज कुमार, डॉ. रितेन गोयल, डॉ. शिवकुमार चाहर, डॉ. यामिनी गुप्ता, डॉ. सारिका गौतम सहित अनेक वरिष्ठ चिकित्सक उपस्थित रहे। डॉ. गौरव भारद्वाज ने कहा कि डॉक्टर समाज के सच्चे नायक हैं, जो दिन–रात मरीजों की सेवा में समर्पित रहते हैं। उन्होंने बताया कि ब्रजवासियों के लिए 1 से 15 जुलाई तक मनोचिकित्सा और प्लास्टिक सर्जरी विभाग की निशुल्क ओपीडी चलाई जाएगी। साथ ही उन्नत एमआरआई की जाँच मात्र 3000 में 31 जुलाई तक की जाएगी।

ब्रज चिकित्सा संस्थान ने 'नेशनल डॉक्टर्स डे' पर किया चिकित्सकों का सम्मान

मिस्टिक पाम होटल में हुआ भव्य आयोजन

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज चिकित्सा संस्थान द्वारा 'नेशनल डॉक्टर्स डे' के अवसर पर मिस्टिक पाम होटल, मथुरा में एक गरिमामय सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में संस्थान से जुड़े सभी विशेषज्ञ चिकित्सकों को उनकी सेवा, समर्पण और सामाजिक योगदान के लिए सम्मानित किया गया। समारोह में वरिष्ठ हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ डॉ. सौरभ बंसल, जनरल एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ. सागर मित्तल, बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. राघवेंद्र चौधरी, रेडियोलॉजिस्ट डॉ. दीपक अग्रवाल एवं डॉ. निधि अग्रवाल, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. नम्रता सिंह व डॉ. एकता थदानी सिंह, मधुमेह रोग विशेषज्ञ डॉ. अंजलि चौधरी, ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. अभिषेक जोशी, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. विशाल उप्पल, दंत चिकित्सक डॉ. शिल्पी मंगला, फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. राहुल शर्मा तथा आपातकालीन चिकित्सक डॉ. टीकेंद्र प्रताप सिंह व डॉ. दीपक दीक्षित विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के अध्यक्ष जितेन्द्र अग्रवाल 'मैदा वाले' ने की। उपाध्यक्ष राजेन्द्र अग्रवाल 'हाथी वाले', मंत्री अनुराग अग्रवाल 'कसेरे' एवं कोषाध्यक्ष राहुल अग्रवाल 'शोरा वाले' ने सभी डॉक्टरों का पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। समारोह के दौरान एक सहभोज का आयोजन भी हुआ, जिसमें चिकित्सा सेवाओं को और अधिक बेहतर बनाने को लेकर डॉक्टरों व प्रबंधन समिति के बीच सकारात्मक संवाद हुआ। सभी चिकित्सकों को उनकी निस्वार्थ सेवा भावना के लिए उपहार प्रदान किए गए।

शराब तस्कर गिरफ्तार, 47 पव्वा अवैध शराब व मोटरसाइकिल बरामद

यूनिक समय, कोसीकलां। थाना कोसीकलां पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक शराब तस्कर को गिरफ्तार कर 47 पव्वा अवैध देशी शराब (हरियाणा मार्का मस्ताना ब्राण्ड) तथा तस्करी में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल बरामद की है। गिरफ्तार आरोपी बुद्धी पुत्र लोहरे, निवासी ग्राम खैराल साढ़े सात विसा, थाना कोसीकलां, उम्र 55 वर्ष, को 30 जून की रात करीब 10:55 बजे ग्राम शाहपुर स्थित लोहरे के खेत के पास से दबोचा गया। आरोपी के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 60/63/72 के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया है। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक अरविन्द कुमार निर्वाल, उपनिरीक्षक विपिन कुमार, हैड कांस्टेबल बृजीत कुमार व गम्भीर सिंह शामिल रहे। पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर आरोपी को न्यायालय में पेश किया।

अखिलेश यादव का बयान निंदनीय, संत हुए नाराज

यूनिक समय, मथुरा। श्री कृष्ण जन्मभूमि मंदिर मस्जिद केस के मुख्य याचिका कर्ता दिनेश फलाहारी ने कहा है कि अखिलेश यादव ने भागवत प्रवक्ताओं पर रुपए लेकर भागवत करने का जो आरोप लगाया है, यह बयान बहुत ही निंदनीय है। फलाहारी ने कहा कि उनकी सरकार ने राम भक्तों पर गोलियां चलाई है, वह हमेशा सनातन के खिलाफ रहे हैं। स्वामी सत्यमित्रानंद महाराज ने कहा कि अखिलेश यादव ने कहा जो होटल और बिल्डिंग खरीदी है वह पैसा कहां से आया। महामंडलेश्वर रामदास महाराज एवं आचार्य राजेश शास्त्री ने अखिलेश यादव के बयान की निंदा की।

सीए दिवस पर अमित सतीश एंड कम्पनी में धूमधाम से मनाया गया कार्यक्रम

सीए प्रोफेशन समाज की आर्थिक रीढ़ हैं

सीए दिवस कार्यक्रम में सीए अमित कुमार के साथ समस्त सीए।

यूनिक समय, मथुरा। सीए दिवस के अवसर पर अमित सतीश एंड कम्पनी में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स और जीएसटी एसोसिएट्स ने मिलकर उल्लासपूर्वक कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ केक काटकर किया गया, जिसमें सीए प्रोफेशनल्स व स्टाफ सदस्यों ने पूरे जोश और उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान कम्पनी के ओनर सीए अमित अग्रवाल ने सभी सीए प्रोफेशनल्स और जीएसटी एसोसिएट्स को अंगवस्त्र पहनाकर उनका सम्मान किया। इस अवसर पर उन्होंने सभी को सीए एवं जीएसटी दिवस की शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि सीए प्रोफेशन समाज की आर्थिक रीढ़ हैं और उनका योगदान देश की वित्तीय व्यवस्था को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाता है। इस आयोजन में सीए संजय अग्रवाल, एडवोकेट सुशील अग्रवाल, सीए रवि अग्रवाल, सीए रोहित गंगवानी, चंद्रपाल सिंह निषाद, शुभम अग्रवाल, दिव्या साहनी, अभिषेक चतुर्वेदी, सुमित शर्मा, उज्ज्वल अग्रवाल, प्रियांशु अग्रवाल, मोहन अग्रवाल, श्याम सुंदर सहित कई गणमान्य व्यक्ति एवं स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने इस दिवस को एकजुट होकर मनाया और पेशेवर एकता का संदेश दिया।

कार्यक्रम का समापन पारंपरिक शुल्पहार (मिष्ठान) वितरण के साथ किया गया। आयोजन के सफल संचालन के लिए सभी ने एक–दूसरे को धन्यवाद दिया।

बांके बिहारी कॉरिडोर के विरोध में पैदल मार्च, यमुना पूजन व चुनरी मनोरथ

यूनिक समय, वृंदावन। बांके बिहारी कॉरिडोर और न्यास के विरोध में आज गोस्वामी समाज की महिलाओं, बच्चों, स्थानीय व्यापारियों व ब्रजवासियों ने मंदिर से यमुना तक पैदल मार्च निकाला। विरोधियों ने अधिकारियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। यमुना तट पर पहुंचकर पूजन व चुनरी मनोरथ किया गया। आंदोलनकारी कई दिनों से कॉरिडोर व न्यास के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं, जबकि प्रशासन निर्माण के लिए लगातार प्रयासरत है। स्थानीय लोग इसे आस्था और विरासत से खिलवाड़ मान रहे हैं और विरोध को और तेज करने का एलान कर चुके हैं।

सुविचार

आदमी वो खतरनाक नहीं जो ऊंचा बोलता है खतरनाक वो है जो कानों में बोलता है।

कल का पंचांग

तिथि	सप्तमी 10:20-11:58 तक		पक्ष	शुक्ल पक्ष
नक्षत्र	उत्तर फाल्गुनी 08:53-11:07 तक		माह	आषाढ़
सूर्योदय	5:49 AM		चन्द्रोदय	12:05 PM
सूर्यास्त	7:12 PM		चंद्रास्त	12:09 AM
सूर्य राशि	मिथुन राशि		चंद्र	कन्या राशि
शुभ मुहूर्त			ब्रहम् मुहूर्त	04:13-05:01
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2082
राहुकाल	12:30PM–02:11PM		वार	बुधवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

12 साल बाद मिथुन राशि में उदित होंगे बृहस्पति

छह राशियों को मिलेगा धन, शादी और करियर में लाभ

यूनिक समय, मथुरा। 9 जुलाई को एक दुर्लभ ज्योतिषीय घटना घटने जा रही है। 12 वर्षों के अंतराल के बाद बृहस्पति ग्रह मिथुन राशि में उदित होने वाले हैं। वैदिक ज्योतिष में गुरु को ज्ञान, समृद्धि और शुभता का कारक माना गया है। अतः इनका उदय सभी राशियों पर प्रभाव डालेगा, लेकिन मिथुन, वृषभ, सिंह, तुला, धनु और कुंभ राशि वालों के लिए यह समय विशेष रूप से शुभ रहने वाला है।

मिथुन राशिः मिथुन राशि के जातकों के लिए गुरु का उदय बेहद लाभकारी सिद्ध होगा। गुरु इस राशि के लग्न भाव में उदय हो रहे हैं, जिससे व्यक्ति की पर्सनैलिटी में निखार आएगा। रुके हुए काम तेजी से बनेंगे, करियर में तरक्की के योग बनेंगे और विवाह योग्य जातकों को अच्छे प्रस्ताव मिल सकते हैं। विवाहित जीवन में मधुरता बढ़ेगी।

वृषभ राशिः वृषभ राशि में गुरु दूसरे भाव में उदित हो रहे हैं जो आय और वाणी से संबंधित है। लंबे समय से रुकी आय के स्रोत अब खुल सकते हैं। परिवार में शांति का वातावरण बनेगा और आप दूसरों को अपने शब्दों से प्रभावित कर पाएंगे। निवेश के लिए भी यह समय अनुकूल है।

सिंह राशिः गुरु सिंह राशि के लिए लाभ भाव में उदित हो रहे हैं। यह आर्थिक रूप से शुभ संकेत है। व्यापारियों को बड़ा मुनाफा हो सकता है और छात्रों को पढ़ाई में अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। पारिवारिक रिश्तों में सुधार आएगा और ससुराल पक्ष से संबंध मजबूत होंगे।

तुला राशिः तुला राशि के जातकों के लिए गुरु का उदय भाग्य स्थान में हो रहा है। यह यात्राओं, भाग्यवृद्धि और आत्मबल के लिए श्रेष्ठ समय है। आपको धार्मिक स्थलों की यात्रा का अवसर मिल सकता है। जो लोग संतान की प्राप्ति की इच्छा रखते हैं, उन्हें खुशखबरी मिल सकती है। व्यापार में तेजी से प्रगति होगी।

धनु राशिः धनु राशि के स्वामी स्वयं गुरु हैं और अब वे सप्तम भाव में उदय हो रहे हैं। यह दांपत्य जीवन में सुख और स्वास्थ्य में सुधार का संकेत है। लंबे समय से चली आ रही बीमारियों से राहत मिलेगी। अविवाहितों के विवाह के योग बनेंगे और संपत्ति या सैलरी से जुड़ी समस्याएं सुलझ सकती हैं।

कुंभ राशिः कुंभ राशि वालों के लिए गुरु ग्रह पंचम भाव में उदय हो रहे हैं। यह भाव शिक्षा, संतान और सृजन से संबंधित होता है। यदि आपका धन कहीं अटका है तो वह वापस मिल सकता है। पुराना निवेश लाभ दे सकता है और करियर में नई शुरुआत के लिए यह समय उत्तम है। गुरु का मिथुन में उदय एक बड़ा ज्योतिषीय परिवर्तन है, जो इन छह राशियों को विशेष लाभ पहुंचाएगा। यह समय आध्यात्मिक उन्नति, आर्थिक मजबूती और पारिवारिक संतुलन के लिए उपयुक्त है। यदि आप इन राशियों में से एक हैं, तो गुरु के प्रभाव को ध्यान में रखते हुए अपने जीवन की योजनाओं को आगे बढ़ाना शुभ रहेगा।

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 7.45 से दोपहर 11.55 बजे तक और शाम 5.30 से रात 9.25 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6.30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6.30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7.30 बजे तक।

आस्था की मिसाल

रुद्रपुर के जयदेव कर रहे हैं 450 किमी की दंडवत यात्रा

केदारनाथ तक सिर झुकाकर पहुंचने का लिया संकल्प

यूनिक समय, मथुरा। उत्तराखंड की देवभूमि अपने मंदिरों, पवित्र नदियों और हिमालय की गोद में बसे तीर्थ स्थलों के लिए जानी जाती है, लेकिन इस बार एक ऐसा श्रद्धालु चर्चा में है जिसकी भक्ति ने सभी को भावविभोर कर दिया है। रुद्रपुर, उधम सिंह नगर निवासी जयदेव इन दिनों केदारनाथ की ओर 450 किलोमीटर लंबी दंडवत यात्रा पर हैं। दंडवत यात्रा का अर्थ होता है हर कदम पर भूमि पर लेटकर सिर झुकाना और फिर उठकर आगे बढ़ना। यह प्रक्रिया शरीर, मन और आत्मा तीनों की परीक्षा होती है। जयदेव ने यह कठिन यात्रा 26 मई 2025 को शुरू की थी, बिना किसी बड़े प्रचार या सामाजिक आयोजन के। उन्होंने बस अपनी पीठ पर एक गठरी बांधी, ज़रूरी सामान लिया और निकल पड़े भगवान शिव के दर्शन को।

जयदेव का यह यात्रा मार्ग आसान नहीं है। तेज धूप, पथरीले रास्ते, लगातार थकान और कई बार राह चलते लोगों की आश्चर्य भरी नजरें यह सब उनकी रोजमर्रा की चुनौती बन चुका है। लेकिन उनका संकल्प और आस्था इन कठिनाइयों से कहीं बड़ी है। वे दिनभर दंडवत करते हैं और रात को मंदिरों या किसी छांव वाली जगह पर विश्राम करते हैं। इस अनोखी यात्रा को लेकर सोशल मीडिया पर भी जयदेव की खूब सराहना हो रही है। लोग रास्ते में उनकी मदद के लिए आगे आ रहे हैं कोई उन्हें पानी देता है, कोई फल तो कोई उनकी आस्था देखकर भावुक हो उठता है। हालांकि जयदेव स्वयं किसी सुविधा को अपनाने से बचते हैं। उनका स्पष्ट कहना है कि यह यात्रा केवल भगवान शिव के प्रति समर्पण है, न कि प्रसिद्धि का माध्यम। उनकी भक्ति आने वाले श्रद्धालुओं को प्रेरणा देती है कि ईश्वर तक पहुंचने का मार्ग केवल भक्ति और निष्ठा से ही संभव है।

अपराजिता के पौधे से मिलेगी करियर में तरक्की, दूर होंगी सभी परेशनियां

यूनिक समय, मथुरा। वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में कुछ विशेष पौधे लगाने से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और जीवन में तरक्की के रास्ते खुलते हैं। ऐसा ही एक पौधा है अपराजिता। इस फूल का पौधा न केवल सौंदर्य बढ़ाता है, बल्कि यह धन, सफलता और शांति भी लाता है।

अपराजिता दो प्रकार की होती है नीले और सफेद फूल वाली। इसे घर की उत्तर–पूर्व दिशा (ईशान कोण) में लगाना सबसे शुभ माना गया है। पूर्णिया के वास्तु शास्त्री पंडित मनोत्पल झा के अनुसार, यह दिशा देवी–देवताओं की होती है और यहां लगाया गया पौधा नकारात्मक ऊर्जा को दूर कर सकारात्मकता फैलाता है।

विशेष रूप से शनिवार के दिन इस पौधे को लगाने से अत्यधिक लाभ मिलता है। इसके फूल शनि देव की पूजा में भी चढ़ाए जाते हैं, जिससे शनि कृपा प्राप्त होती है और जीवन में चल रही बाधाएं दूर होती हैं।

करियर में लगातार परेशानियों का सामना कर रहे लोगों के लिए यह पौधा वरदान साबित हो सकता है। यह आर्थिक समस्याएं भी दूर करता है और घर में सुख–शांति और समृद्धि लाता है। वास्तु शास्त्र में यह स्पष्ट रूप से कहा गया है कि पश्चिम और दक्षिण दिशा में इस पौधे को नहीं लगाना चाहिए, क्योंकि इससे नकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और दरिद्रता का वास हो सकता है।यदि आप चाहते हैं कि आपके जीवन में हर दिन विजय और प्रगति का मार्ग खुले, तो अपराजिता का पौधा अवश्य लगाएं सही दिशा और दिन का ध्यान रखते हुए।

मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग : जहां हर माह आते हैं शिव–शक्ति, वहीं मिटते हैं सारे कष्ट

यूनिक समय, मथुरा। श्रावण मास का प्रारंभ इस वर्ष 11 जुलाई 2025 से हो रहा है, जिसे भगवान शिव का प्रिय माह माना गया है। इस पूरे महीने भक्त विशेष रूप से द्वादश ज्योतिर्लिंगों के दर्शन और पूजन का पुण्य अर्जित करते हैं। इन्हीं बारह पवित्र ज्योतिर्लिंगों में एक है मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग, जो आंध्र प्रदेश के श्रीशैल पर्वत पर, कृष्णा नदी के तट पर स्थित है। यह स्थान धार्मिक दृष्टि से इतना महत्वपूर्ण है कि इसे 'दक्षिण का कैलाश' कहा जाता है। मान्यता है कि यहां भगवान शिव और माता पार्वती हर महीने आते हैं अमावस्या के दिन शिव और पूर्णिमा के दिन शक्ति।

इस तीर्थस्थल को लेकर शास्त्रों में अनेक कथाएं मिलती हैं। कहा जाता है कि जब भगवान शिव और माता पार्वती अपने पुत्र कार्तिकेय से मिलने के लिए श्रीशैल आए थे, तब से वे यहीं निवास करने लगे। माता पार्वती को 'मल्लिका' और शिव को 'अर्जुन' कहा जाता है, इसी कारण इस ज्योतिर्लिंग को मल्लिकार्जुन कहा जाता है। दर्शन मात्र से व्यक्ति के दुख, रोग और कष्ट समाप्त हो जाते हैं और सभी प्रकार की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग केवल ज्योतिर्लिंग ही नहीं, बल्कि शक्तिपीठ भी है। यहां पर स्थित भ्रामरांबा देवी

मंदिर को देवी सती के शरीर के अंग पतन स्थल के रूप में मान्यता प्राप्त है। ऐसा माना जाता है कि देवी की गर्दन इसी स्थान पर गिरी थी, जिसके कारण यह स्थान अष्ट महाशक्ति पीठों में से एक बन गया। भ्रामरांबा देवी की आठ भुजाओं वाली मूर्ति शक्ति की महिमा को प्रकट करती है और यहां देवी की आराधना से भक्तों को अद्भुत आत्मिक शांति प्राप्त होती है।

मंदिर परिसर से कुछ दूरी पर अन्य महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल भी स्थित हैं। दो किलोमीटर दूर स्थित है साक्षी गणपति मंदिर, जहां भक्त अपने गोत्र और नाम दर्ज कराते हैं। मान्यता है कि भगवान गणेश यहां प्रत्येक श्रद्धालु की यात्रा का प्रमाण रखते हैं। श्रीशैल पर्वत के पश्चिमी छोर पर स्थित हाटकेश्वरम, एक अन्य पवित्र स्थल है जिसका उल्लेख स्कंद पुराण में विस्तार से हुआ है। इसी क्षेत्र में स्थित है इस्तकामेश्वरी देवी मंदिर, जहां भक्त अपनी इच्छाएं पूरी करने की प्रार्थना करते हैं। मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग के दर्शन से मोक्ष की प्राप्ति होती है। शिव पुराण के अनुसार, यह तीर्थस्थल संसार–सागर से पार लगाने वाला सेतु है। ऐसा विश्वास किया जाता है कि यहां की यात्रा और दर्शन से जीवन के सारे पाप नष्ट हो जाते हैं और मोक्ष का मार्ग प्रशस्त होता है। सावन माह में यहां श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ती है, जो इस स्थल की महिमा और श्रद्धा को प्रमाणित करती है। यदि जीवन में शांति, साधना और मुक्ति की तलाश है, तो श्रावण मास में मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग के दर्शन अवश्य करने चाहिए। यह स्थान शिव और शक्ति के एक साथ विराजने का प्रतीक है, जहां भक्त न केवल दर्शन करते हैं बल्कि दिव्य ऊर्जा का अनुभव भी करते हैं।

सम्पादकीय

रथयात्रा हादसा: व्यवस्था सोई रही, रथ चलता रहा

रथयात्रा भारत की धार्मिक परंपरा और आस्था का प्रतीक है। हर वर्ष लाखों श्रद्धालु भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा में भाग लेते हैं। यह आयोजन जहां भक्ति और उल्लास का पर्व होता है, वहीं कुछ स्थानों पर यह अव्यवस्था और लापरवाही का दुखद उदाहरण भी बन जाता है। हाल की रथयात्रा में हुआ हादसा एक बार फिर यह याद दिलाता है कि हमारे प्रशासनिक तंत्र ने पूर्व की गलतियों से कुछ नहीं सीखा है।

प्रत्येक वर्ष रथ खींचते समय या भारी भीड़ के कारण दुर्घटनाओं की खबरें आती हैं। कभी रथ पलट जाता है, कभी विद्युत तारों से टकराकर हादसे होते हैं और कभी भीड़ नियंत्रण की असफलता से जानें जाती हैं। फिर भी न तो कोई स्थायी उपाय किए जाते हैं, न ही कोई ठोस कार्ययोजना बनती है। हादसे के बाद केवल आर्थिक सहायता की घोषणा, जांच समिति का गठन और कुछ समय की चर्चा–यही परिपाटी बन गई है। फिर अगले वर्ष वही त्रासदी दोहराई जाती है।

पवन गौतम
संपादक

इस बार भी यही हुआ। सुरक्षा मानकों की अनदेखी, भीड़ प्रबंधन में लापरवाही और समन्वय की कमी ने एक धार्मिक पर्व को त्रासदी में बदल दिया। यह कोई प्राकृतिक आपदा नहीं थी, जिसे रोका न जा सके। यह एक मानवीय चूक थी, जिसे विवेक और तैयारी से टाला जा सकता था। सबसे चिंताजनक बात यह है कि हर बार ऐसे हादसों के बावजूद जिम्मेदार लोगों पर कोई कठोर कार्रवाई नहीं होती।

प्रश्न उठता है कि क्या ऐसे आयोजनों की हमारी तैयारी केवल औपचारिकता भर रह गई है?

क्या रथयात्रा जैसे विशाल आयोजनों के लिए किसी मानक संचालन प्रक्रिया की आवश्यकता नहीं है? क्या हम विज्ञान और तकनीक का उपयोग कर भीड़ नियंत्रण और रथ संचालन को अधिक सुरक्षित नहीं बना सकते?

सिर्फ पुलिस बल बढ़ा देना या अवरोधक लगाना ही समाधान नहीं है। आवश्यकता है एक समग्र रणनीति की, जिसमें स्थानीय प्रशासन, आयोजन समिति, आपदा प्रबंधन दल और तकनीकी जानकार मिलकर कार्य करें। भीड़ का वैज्ञानिक विश्लेषण, निगरानी कैमरे, रथ की स्थिति पर नजर रखने की यंत्रणा और वैकल्पिक मार्गों की तैयारी जैसे उपाय बहुत आवश्यक हैं।

धार्मिक आयोजन जनभावनाओं से जुड़े होते हैं, लेकिन उन्हें सुव्यवस्थित बनाना प्रशासन की ज़िम्मेदारी है। हादसों की पुनरावृत्ति यह दर्शाती है कि हमारी व्यवस्थाएं केवल प्रतिक्रिया देती हैं, पहले से तैयारी नहीं करतीं। जब तक हम 'सीखने और लागू करने' की मानसिकता नहीं अपनाएंगे, तब तक हर वर्ष किसी न किसी रथ के पहिए के नीचे हमारी लापरवाही कुचली जाती रहेगी।

यह आत्मचिंतन का समय है। केवल श्रद्धा नहीं, सुरक्षा भी ज़रूरी है। आस्था के ऐसे जुलूस जीवन का उत्सव बनें, न कि मृत्यु का दृश्य–यही सच्ची श्रद्धांजलि होगी उन लोगों के लिए जिन्होंने इस लापरवाही की कीमत अपने प्राणों से चुकाई।

नजरिया

क्यों नहीं पहुंच पातीं सरकारें घरों की दहलीज तक?

संजीव कुमार मिश्र

भारतीय राजनीति में महिलाओं के सशक्तीकरण को लेकर बड़ी–बड़ी बातें होती रही हैं। हर चुनाव में घोषणापत्रों में महिलाओं को ध्यान में रखते हुए तमाम वादे किए जाते हैं, लेकिन चुनाव बीतते ही वे वादे अक्सर धूल खा जाते हैं। दुखद सच्चाई यह है कि बहुत कम जनप्रतिनिधि ऐसे होते हैं जो महिलाओं की समस्याओं को सुनने के लिए उनके घरों की दहलीज तक पहुंचते हैं। अधिकांश महिलाएं खुद को सरकारी योजनाओं और निर्णयों से कटा हुआ महसूस करती हैं।

हालांकि इस परिपाटी को बिहार ने तोड़ा है। दशकों तक महिलाओं को केवल घर–परिवार तक सीमित मानने वाला प्रदेश, अब महिला सशक्तीकरण की दिशा में एक अनुकरणीय मॉडल बन चुका है। शिक्षा, रोजगार, सुरक्षा और आर्थिक आत्मनिर्भरता–हर क्षेत्र में राज्य सरकार ने ऐसी योजनाएं चलाई हैं जिनका असर स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है।

बिहार में शुरू किया गया 'महिला संवाद' कार्यक्रम इस दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। 18 अप्रैल 2024 से प्रारंभ हुए इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं की बात सुनना और उनकी समस्याओं को नीति–निर्माण में शामिल करना है। यह केवल एक औपचारिक सरकारी आयोजन नहीं, बल्कि महिलाओं को केंद्र में रखकर सामाजिक बदलाव की दिशा में उठाया गया कदम है। अब तक 38 जिलों में 52,468 महिला संवाद आयोजित किए जा चुके हैं, जिनमें 1.13 करोड़ से अधिक महिलाओं ने भाग लिया है। यह अभूतपूर्व भागीदारी इस बात का प्रमाण है कि महिलाएं अपनी समस्याओं को खुलकर सामने लाने और बदलाव की वाहक बनने के लिए अब पूरी तरह तैयार हैं।

चाहे वह दरभंगा हो या पश्चिम चंपारण, गया हो या नालंदा–हर जिले की महिलाएं अपने मुद्दों को स्पष्ट रूप से सामने रख रही हैं। महिलाओं ने स्वास्थ्य सेवाएं, सुरक्षा, शिक्षा, रोजगार, और सामाजिक सुधारों से जुड़े कई मुद्दों को उठाया है। खास बात यह है कि ये मांगें केवल भावनात्मक नहीं, बल्कि व्यावहारिक और ठोस हैं, जो इस कार्यक्रम की प्रासंगिकता को सिद्ध करती हैं।

बिहार में महिला सशक्तीकरण की नींव लड़कियों की शिक्षा से रखी गई। वर्ष 2006 में मुख्यमंत्री बालिका साइकिल योजना की शुरुआत ने क्रांतिकारी बदलाव लाया। दूर–दराज के गांवों से लड़कियाँ स्कूल आने लगीं। इस योजना ने सिर्फ स्कूलों में लड़कियों की उपस्थिति बढ़ाई ही नहीं, बल्कि उनके आत्मविश्वास में भी जबरदस्त वृद्धि की।

बिहार सरकार ने वर्ष 2013 में पुलिस भर्ती में महिलाओं को 35% आरक्षण देकर एक ऐतिहासिक निर्णय लिया। इसके बाद 2016 से सभी सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 35% और प्राथमिक शिक्षक नियोजन में 50% आरक्षण दिया गया। इससे लाखों महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिला।

वर्ष 2006 में विश्व बैंक के सहयोग से शुरू की गई 'जीविका' योजना बिहार की ग्रामीण महिलाओं के लिए किसी वरदान से कम नहीं। इस योजना के अंतर्गत स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को स्वरोजगार, वित्तीय सहायता और प्रशिक्षण की सुविधाएं दी जाती हैं। आज राज्य में 10.64 लाख स्वयं सहायता समूह सक्रिय हैं, जिनसे 1.35 करोड़ से अधिक महिलाएं जुड़ी हैं। इन महिलाओं को 'जीविका दीदी' नाम से जाना जाता है, जो अब ग्रामीण अर्थव्यवस्था का एक मजबूत स्तंभ बन चुकी हैं। ये महिलाएं दुग्ध उत्पादन, मधुमक्खी पालन, मसाला उत्पादन, सिलाई–कढ़ाई, रसोई सेवाएं, और कृषि उत्पादों के विपणन जैसे क्षेत्रों में सक्रिय हैं।

'महिला संवाद' के दौरान महिलाओं ने अनेक सार्थक सुझाव दिए हैं, जिनमें प्रमुख हैं–स्वरोजगार के लिए कम ब्याज दर पर ऋण की सुविधा, 'जीविका दीदी की रसोई' और 'जीविका दीदी हाट' जैसे स्थायी व्यवसायिक केंद्रों की स्थापना, कृषि आधारित उद्योगों की स्थापना, विशेष रूप से प्रखंड स्तर पर राइस मिल और वेजिटेबल मार्ट, कृषि लाभ से संबंधित सुविधाओं में सुधार और किसान सम्मान निधि की राशि में वृद्धि, बुनियादी ढांचे जैसे जीविका भवन, महिला लाइब्रेरी, बैंकिंग सुविधा केंद्रों की स्थापना, सामाजिक सुधारों के अंतर्गत शराब की तरह गुटखा, तंबाकू, सिगरेट पर भी पूर्ण प्रतिबंध की मांग, और महिला सुरक्षा के लिए महिला पुलिस चौकी, हेल्प डेस्क और महिला थाना की स्थापना।

बिहार में महिला सशक्तीकरण की दिशा में किए गए प्रयासों का असर अब आंकड़ों में भी दिखने लगा है। 93.11% महिलाएं आज खुद को पहले की तुलना में अधिक सुरक्षित महसूस करती हैं। 91.73% घरों में घरेलू हिंसा के मामलों में गिरावट आई है। 87.75% महिलाएं अब खुद को आर्थिक रूप से सशक्त मानती हैं। यह आंकड़े केवल आंकड़े नहीं, बल्कि उन प्रयासों की प्रमाणिकता हैं जो पिछले दो दशकों में किए गए।

बिहार के बदलते परिदृश्य में महिलाओं की भूमिका अब केवल लाभार्थी की नहीं रही, वे अब नीति–निर्माण और समाज सुधार की दिशा में अग्रणी बन रही हैं। आज प्रदेश की बेटियां राजनीति, शिक्षा, खेल, उद्योग, स्वास्थ्य और प्रशासन जैसे क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। जब सरकारें केवल योजनाएं बनाकर कागज़ों तक सीमित नहीं रहेंगी, बल्कि जनता खासकर महिलाओं से संवाद करेंगी, तब जाकर बदलाव होगा। 'महिला संवाद' जैसे कार्यक्रम केवल बिहार तक सीमित न रहें, बल्कि पूरे देश में इन्हें अपनाया जाना चाहिए। सशक्त महिला ही सशक्त समाज और सशक्त राष्ट्र की आधारशिला होती है। सरकारें जब तक घर की दहलीज तक नहीं पहुंचेंगी, तब तक उनकी नीतियां अधूरी ही रहेंगी। बिहार की यह पहल पूरे भारत के लिए एक प्रेरणास्त्रोत है–एक ऐसा उदाहरण, जिससे सीखा जा सकता है कि यदि इच्छाशक्ति हो, तो सामाजिक संरचनाओं को जड़ से बदलना असंभव नहीं।

विचार विण्डो

प्राकृतिक संसाधनों की कृपा से 'सोने की चिड़िया' बनने की ओर

प्रहलाद सबनानी

भारत वर्तमान में कच्चे तेल की अपनी 85 प्रतिशत से अधिक आवश्यकताओं की पूर्ति आयात से करता है। लगभग 42 देशों से प्रतिवर्ष तेल मंगवाया जाता है, जिसमें से 46 प्रतिशत आयात केवल पश्चिम एशिया से होता है। इस पर प्रतिवर्ष 10,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की विदेशी मुद्रा खर्च होती है। यह भारत की अर्थव्यवस्था पर एक भारी बोझ है, जिसे यदि घटाया जा सके, तो देश को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने में सहायता मिल सकती है।

हाल ही में भारत के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण और सकारात्मक खबर सामने आई है, जिसे मीडिया में अपेक्षित स्थान नहीं मिल पाया। यह खबर अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के समुद्री क्षेत्र से संबंधित है, जहां पर कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के अपार भंडार मिलने की जानकारी दी गई है। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बताया है कि यहां लगभग 12 अरब बैरल (2 लाख करोड़ लीटर) कच्चे तेल का भंडार हो सकता है। यह आंकड़ा गुयाना में हाल ही में खोजे गए तेल भंडार के बराबर है, जहां 11.6 अरब बैरल तेल मिला था। गुयाना आज विश्व में 17वें स्थान पर है, लेकिन इस खोज के बाद वह शीर्ष तेल उत्पादक देशों की श्रेणी में आने की ओर अग्रसर है।

यदि भारत इस खोज को व्यावसायिक सफलता में बदल देता है, तो वह न केवल अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति स्वयं कर सकेगा, बल्कि डीजल और पेट्रोल का एक प्रमुख निर्यातक देश भी बन सकता है। भारत के पास पहले से ही गुजरात के जामनगर में दुनिया की सबसे बड़ी रिफाइनरी मौजूद है, जिससे देश की प्रसंस्करण क्षमता पहले से ही उच्च स्तर पर है। इससे भारत विदेशी मुद्रा की भारी बचत कर सकेगा और पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात से विदेशी मुद्रा भंडार में अभूतपूर्व वृद्धि संभव होगी।

भारत के समुद्री क्षेत्रों की संभावनाओं की लंबे समय तक उपेक्षा की गई थी। 1947 में स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद लगभग 70 वर्षों तक समुद्री सीमाओं का दोहन गंभीरता से नहीं किया गया। हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा इन क्षेत्रों में अन्वेषण और ड्रिलिंग के प्रयास तेज़ किए गए हैं, जिनके उत्साहजनक परिणाम सामने आने लगे हैं। ड्रिलिंग प्रक्रिया आरंभ हो चुकी है और आधारभूत संरचना के विकास का कार्य भी तेज़ी से चल रहा है।

इंडोनेशिया के सुमात्रा क्षेत्र के निकट स्थित अंडमान और निकोबार द्वीप समूह की भौगोलिक स्थिति यह संकेत देती है कि इस क्षेत्र में न केवल तेल और गैस बल्कि अन्य दुर्लभ खनिज पदार्थों के भी बड़े भंडार मिल सकते हैं। यह भारत के लिए एक रणनीतिक उपलब्धि हो सकती है, विशेषकर तब जब चीन ने कुछ महत्वपूर्ण खनिजों का निर्यात भारत को रोक दिया है। ऐसे में अंडमान क्षेत्र में इन खनिजों की उपलब्धता

भारत के लिए तकनीकी और आर्थिक स्वतंत्रता की दिशा में एक निर्णायक कदम साबित हो सकती है।

भारत के पूर्ववर्ती अनुभवों की बात करें तो इससे पहले भी बॉम्बे हाई, काकीनाड़ा, बलिया और समस्तीपुर जैसे क्षेत्रों में तेल और गैस के भंडार पाए गए हैं और वहां उत्पादन कार्य जारी है। हालांकि इस क्षेत्र में पूंजीगत निवेश अत्यधिक होता है, परंतु भारत सरकार जापान, अमेरिका और रूस जैसे देशों से तकनीकी सहयोग प्राप्त करने की दिशा में भी कार्य कर रही है।

भारत का समुद्री क्षेत्र लगभग 5 लाख वर्ग किलोमीटर का है, जिसमें अब खोज और अन्वेषण गतिविधियाँ सक्रिय हो चुकी हैं। पश्चिम बंगाल के समुद्री इलाके में भी तेल–गैस की संभावनाओं को तलाशा जा रहा है। यदि यह प्रयास सफल होते हैं, तो भारत को अगले 60–70 वर्षों तक कच्चे तेल के आयात की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

एक अन्य महत्वपूर्ण खबर कर्नाटक राज्य से प्राप्त हुई है, जहां कोलार क्षेत्र की स्वर्ण खदानों को पुनः सक्रिय करने की योजना पर कार्य शुरू हुआ है। कोलार गोल्ड फील्ड को वर्ष 2001 में बंद कर दिया गया था, लेकिन अब 25 वर्षों बाद एक बार फिर से वहां खनन की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। राज्य सरकार की मंजूरी भी प्राप्त हो चुकी है। इन खदानों में लगभग 750 किलोग्राम स्वर्ण मिलने की संभावना जताई गई है। आज जब वैश्विक स्तर पर डॉलर की विश्वसनीयता घट रही है, तो विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंक स्वर्ण भंडार में वृद्धि करने में लगे हुए हैं। ऐसे में भारत का स्वर्ण उत्पादन बढ़ाना एक विवेकपूर्ण और दूरदर्शी निर्णय होगा। यह न केवल आर्थिक सुरक्षा बढ़ाएगा, बल्कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार में रूपये को एक स्थिर और सशक्त मुद्रा के रूप में प्रस्तुत करने की संभावनाएं भी बढ़ाएगा।

प्राचीन काल से ही भारत स्वर्ण में समृद्ध रहा है। अनुमान है कि भारतीय महिलाओं के पास 25,000 से 26,000 टन सोना है, जो विश्व के अन्य सभी देशों के स्वर्ण भंडार के बराबर है। रिज़र्व बैंक के पास 880 टन स्वर्ण है, जो देश के कुल विदेशी मुद्रा भंडार का 12% है। ब्रिटिश काल में कोलार से निकाले गए लगभग 900 टन स्वर्ण को ब्रिटेन भेज दिया गया था। यह इतिहास दर्शाता है कि भारत को सदियों से 'सोने की चिड़िया' क्यों कहा जाता था।

आज भारत विश्व में स्वर्ण भंडार के मामले में आठवें स्थान पर है, जबकि चीन और रूस सबसे बड़े उत्पादक देश हैं। फिर भी ये देश लगातार सोने का आयात कर रहे हैं। पिछले तीन वर्षों से विश्वभर के केंद्रीय बैंक हर वर्ष लगभग 1,000 टन सोना खरीद रहे हैं और यह प्रवृत्ति जारी रहने की संभावना है। ऐसे में भारत द्वारा कोलार खदानों को पुनः सक्रिय करना आर्थिक दृष्टि से एक निर्णायक कदम माना जा सकता है। स्वर्ण भंडार बढ़ने के साथ–साथ भारत अपने रुपये को अंतरराष्ट्रीयकरण की दिशा में ले जा सकता है। यह भारत की मुद्रा को वैश्विक मंच पर सशक्त बनाएगा और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में देश की भूमिका को सुदृढ़ करेगा।

इन सभी घटनाओं – अंडमान क्षेत्र में तेल–गैस और दुर्लभ खनिज पदार्थों की खोज, कोलार में स्वर्ण खनन की पुनः शुरुआत, और विदेशी मुद्रा की संभावित वृद्धि – को एक साथ देखने पर यह स्पष्ट होता है कि भारत एक बार फिर से आर्थिक महाशक्ति बनने की दिशा में बढ़ रहा है। वर्तमान वैश्विक परिप्रेक्ष्य में जब ऊर्जा सुरक्षा, स्वर्ण भंडार और दुर्लभ खनिज संसाधनों का महत्व अत्यधिक बढ़ गया है, भारत की यह प्रगति एक निर्णायक मोड़ पर खड़ी है।

यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि ईश्वरीय कृपा और रणनीतिक निर्णयों के संयुक्त प्रभाव से भारत पुनः उस गौरव को प्राप्त कर सकता है, जहां से उसे कभी 'सोने की चिड़िया' कहा जाता था।

बढ़ती उम्र में भी बराबर रहेगी फिटनेस

हर पुरुष को जरूर अपनानी चाहिए ये पांच आदतें

यूनिक समय, मथुरा। ज्यादातर पुरुष अपनी सेहत को लेकर तब तक गंभीर नहीं होते जब तक कोई बड़ी परेशानी न हो जाए।

लेकिन 30 की उम्र पार करते ही शरीर कई तरह के संकेत देने लगता है, जिन्हें नजरअंदाज करना भविष्य में खतरनाक साबित हो सकता है। विशेषज्ञों की मानें तो पुरुषों को कुछ खास हेल्दी आदतों को अपनी दिनचर्या में शामिल कर लेना चाहिए ताकि उम्र बढ़ने के बावजूद शरीर और मन दोनों फिट रह सकें।

योग को बनाएं दिनचर्या का हिस्सा: 30 की उम्र के बाद पुरुषों में जोड़ों की अकड़न, खराब पॉश्च्वर और मानसिक तनाव जैसी समस्याएं आम हो जाती हैं। रोजाना योग करने से लचीलापन बढ़ता है और मानसिक शांति मिलती है। सूर्य नमस्कार, अनुलोम–विलोम और प्राणायाम जैसे योगाभ्यास इसमें मददगार साबित होते हैं।

रेजिस्टेंस ट्रेनिंग है जरूरी: उम्र बढ़ने के साथ मसल मास कम होने लगता है, जिससे एनर्जी लेवल गिरता है और मोटापे का खतरा बढ़ता है। ऐसे में वेट लिफ्टिंग, पुशअप्स, स्कॉट्स और बॉडी वेट ट्रेनिंग जैसे व्यायाम जरूरी हैं। इससे न सिर्फ मांसपेशियां मजबूत होती हैं बल्कि हार्मोन संतुलन और मेटाबॉलिज्म भी बेहतर होता है।

याददाश्त को करें शार्प: 40 की उम्र के बाद दिमागी क्षमता और फोकस कमजोर होने लगता है। इससे बचने के लिए नई चीजें सीखना जैसे नई भाषा, म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट या माइंड गेम्स (पजल्स, शतरंज) खेलना जरूरी है। ध्यान और माइंडफुलनेस एक्सरसाइज मानसिक संतुलन बनाए रखने में मदद करती है।

डाइट में लाएं बदलाव: इस उम्र में शरीर को ज्यादा पोषण की जरूरत होती है। डाइट में नट्स, बीज, लीन मीट, फल–सब्जियां और हेल्दी फैट को शामिल करें। ये चीजें इम्यूनिटी को मजबूत करती हैं और टेस्टोस्टेरोन स्तर को भी संतुलित बनाए रखती हैं।

ध्यान और आत्मचिंतन अपनाएं: हर दिन कुछ समय खुद के लिए निकालें और माइंडफुलनेस मेडिटेशन करें। इससे तनाव और चिंता में कमी आती है, साथ ही मानसिक मजबूती भी मिलती है। जप, प्रार्थना या आत्म–चिंतन जैसे अभ्यास भावनात्मक संतुलन बनाए रखने में मददगार हैं।

टाइम बचाने के लिए स्कूल लंच में न पैक करें ये चीजें

यूनिक समय, मथुरा। गर्मी की लंबी छुट्टियों के बाद जैसे ही बच्चे स्कूल लौट रहे हैं, वक्त है लंच-बॉक्स की तैयारी पर दोबारा गौर करने का। अक्सर माएँ जल्दी बनने वाले विकल्प, जैसे आलू के पराठे, सैंडविच-पास्ता या मैगी देते हुए सोचती हैं कि बच्चे का खाना खाकर आएगा। लेकिन पोषण विशेषज्ञ चेताते हैं: ये विकल्प बच्चों की विकास संबंधी जरूरतें पूरी नहीं करते। आइए जानते हैं ऐसे पाँच खाद्य पदार्थ जिन्हें लंच-बॉक्स में शामिल करने से बचना चाहिए। इंस्टेंट नूडल्स जैसे मैगी में प्रिज़र्वेटिव्स, सोडियम और मैदा अधिक मात्रा में होते हैं, जो बच्चों के पाचन तंत्र को प्रभावित कर सकते हैं। सुबह की पहली ऊर्जा के लिए उपयुक्त नहीं, यह बच्चों के समग्र विकास में बाधा डाल सकता है। आलू का पराठा पेट जरूर भर देता है लेकिन यह मुख्य रूप से कार्बोहाइड्रेट और वसा का स्त्रोत है। इससे फाइबर और प्रोटीन की कमी हो सकती है, जिससे पाचन धीमा होता है और स्कूल के दौरान सुस्ती महसूस होती है। सफेद ब्रेड में फाइबर की कमी होती है, और आलू, मक्खन व चीज से बने सैंडविच में कैलोरी अधिक होती है। इससे बच्चे को बार–बार भूख लग सकती है जिससे मोटापा व ऊर्जा की कमी हो सकती है। ये चीनी से लबालब होते हैं। बच्चों में शुरुआती ऊर्जा का

झटका देकर, थोड़ी देर बाद थकावट लाते हैं।

साथ ही, ज्यादा सेवन से दांतों की सड़न की आशंका बढ़ जाती है। तेज़ मसाले, चटनी और मसालेदार स्नैक्स से बच्चों के पेट में जलन या असुविधा हो सकती है। स्कूल में यह दिक्कतें पढ़ाई और खेलने के दौरान बाधा बन सकती हैं। सुबह बच्चों को फल, सब्जियाँ, दाल/पनीर/चिकन, दही या उबले अंडे, मल्टीग्रेन या होलव्हीट रोटी-ब्रेड डालकर संतुलित लंच तैयार करें। पोषण विशेषज्ञ की सलाह लेकर योजना बनाएं जिसमें प्रोटीन, फाइबर, विटामिन व मिनरल सभी शामिल हों। ज़्यादा मिठाई, जंक-फूड और प्रोसेस्ड स्नैक्स से बचें। चटपटा लेकिन हल्का फूड जैसे पनीर रोल, अंकुरित सलाद, दलिया या वेजिटेबल पराथा दे सकते हैं। गर्मियों के बाद स्कूल वापसी पर पोषण को प्राथमिकता दें। रोज़ाना अल्प–समय में पकने वाले संतुलित भोजन विकल्प चुनें, जिससे बच्चे स्वस्थ, ऊर्जा–युक्त और पढ़ाई-खेल दोनों में बेहतर प्रदर्शन कर सकें।

डेस्क जॉब वालों के लिए जरूरी अलर्ट

सिर्फ स्मोकिंग नहीं, घंटों बैठकर काम करना भी जानलेवा

यूनिक समय, मथुरा। आजकल की ऑफिस या वर्क फ्रॉम होम जॉब्स में घंटों कुर्सी से चिपके रहना आम हो गया है। यह भले ही आरामदायक लगे, लेकिन सेहत के लिए यह किसी स्लो पॉइजन से कम नहीं है।

कई स्टडीज और विशेषज्ञों ने इसे धूम्रपान जितना खतरनाक बताया है। डॉ. विपुल गोयल, सीनियर स्पाइन सर्जन, यशोदा मेडिसिटी, गाजियाबाद के अनुसार, "जो लोग रोजाना 8 घंटे या उससे अधिक बैठकर काम करते हैं और न्यूनतम शारीरिक गतिविधि करते हैं, उन्हें मोटापे और स्मोकिंग से होने वाली मौत के समान जोखिम झेलना पड़ता है।"

मौत का चौथा सबसे बड़ा कारण: डब्लू एच ओः वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन की एक रिपोर्ट के मुताबिक, बिना मूवमेंट के लंबे

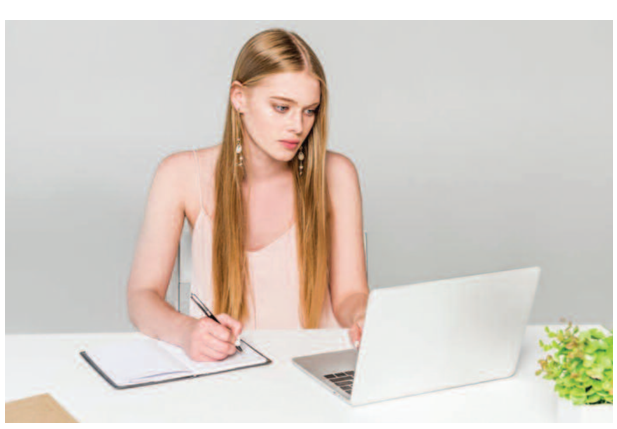

समय तक बैठे रहना दुनिया में मौत का चौथा सबसे बड़ा कारण बन चुका है। इससे डायबिटीज, हार्ट डिजीज, पीठ दर्द, डिप्रेशन और कई तरह के कैंसर का खतरा बढ़ता है।

एक शोध के मुताबिक, लंबे समय तक बैठने से सभी कारणों से मृत्यु का जोखिम 22% तक कैंसर से मौत का खतरा 13% तक, हार्ट डिजीज से मौत का खतरा 15% तक बढ़ जाता है

एक्टिव रहने के आसान तरीके: विशेषज्ञों का कहना है कि थोड़ी सी कोशिश करके आप इन खतरों को काफी हद तक कम कर सकते हैं।

डेली रूटीन में एक्सरसाइज को शामिल करें: ब्रेन को फिर से प्रोग्राम करें ताकि व्यायाम दिनचर्या का हिस्सा बन जाए।

छोटे–छोटे ब्रेक लें: हर घंटे 2–3 मिनट उठकर टहलें या स्ट्रेच करें।

डेस्क एक्सरसाइज करें: जैसे पिंडली उठाना, रीढ़ की हड्डी को स्ट्रेच करना, कुर्सी पर बैठे–बैठे हल्के एक्सरसाइज।

एक्टिव मीटिंग्स का चलन बढ़ाएं: मीटिंग के दौरान खड़े रहें या टहलते हुए चर्चा करें।

सिटिंग जॉब की भरपाई कैसे करें? ऑफिस तक पैदल जाएं या साइकिल का इस्तेमाल करें। खाने के बाद वॉक करें। सुबह या शाम एक्सरसाइज को समय दें। वीकेंड पर भी एक्टिव रहें।

एक्टिविटी ट्रैक करें: मोबाइल ऐप या फिटनेस बैंड का इस्तेमाल करें। एक्सरसाइज के लिए एक पार्टनर बनाएं या ग्रुप जॉइन करें।

छोटी बीमारियों से निपटने के लिए अपनाए ये अचूक नुस्खे

यूनिक समय, मथुरा। हेल्दी लाइफस्टाइल फॉलो करने के बाद भी ज्यादातर लोगों को रोजाना के रूटीन में हेल्थ से जुड़ी छोटी मोटी दिक्कतें हो सकती हैं। लेकिन कुछ ऐसे तरीके हैं, जिन्हें अपनाकर आप बिना दवाएं के समस्या से निपट सकते हैं। यहां जानिए रोजाना हेल्दी खाने के बाद भी कई बार व्यक्ति छोटी–मोटी समस्याएं से परेशान हो जाते हैं। इन दिक्कतों से निपटने के लिए लोग अक्सर दवाईयां खाते हैं। वैसे तो दवा किसी भी समस्या से तुरंत निपटने में मदद करती हैं, लेकिन अगर आप ज्यादा मात्रा में दवाई लेते हैं तो वह नुकसानदायक साबित हो सकती हैं। आप जितनी ज्यागा दवाइयां लेंगे, उनसे नुकसान होने की संभावना उतनी ही ज्यादा होगी। ऐसे में सबसे अच्छा है कि आप घरेलू उपचार पर ध्यान दें। डॉ. सुधांशु राय ने इंस्टाग्राम पर रोजमर्रा की बीमारियों से निपटने के लिए कुछ अचूक नुस्खों के बारे में बताया है। पेशाब के दौरान जलन – इस समस्या से निपटने के लिए एक चम्मच इलायची पाउडर और शहद को पानी के साथ मिलाएं और पिएं। रात में बार–बार पेशाब आना– रात में बार बार पेशाब आने की वजह से नींद भी खराब होती है। इससे निपटने के लिए सोने से पहले केले को एक चुटकी जायफल के साथ खाएं। चक्कर आना– सौंफ को एक चुटकी काला नमक के साथ खाएं। कब्ज–2 से 3 सूखे आलूबुखारा या अंजीर को रातभर के लिए पानी में भिगोएं। फिर इन्हें सुबह उठने के बाद सबसे पहले खाएं। हिचकी– एक बार अगर हिचकी आना शुरू हो जाएं तो ये बहुत ज्यादा परेशान कर सकती है। इससे निपटने के लिए ताजा अदरक का एक पतला टुकड़ा चूसें। उल्टी– ज्यादातर लोगों को जब उल्टी आने की समस्या होती है तो वह दवाई खाते हैं। लेकिन आप लौंग वाले पानी को धीरे–धीरे पिएं। स्किन निकलना – फ्रेश एलोवेरा जेल को नारिरल की कुछ बूंदों के साथ मिलाकर लगाएं। एसिड रिफ्लक्स एक छोटा ग्लास एलोवेरा जूस पिएं।

डॉक्टर क्यों पहनते हैं सफेद कोट? जानें इसके पीछे का इतिहास और वैज्ञानिक वजह

यूनिक समय, मथुरा। डॉक्टरों को समाज में दूसरा भगवान माना जाता है। वे न सिर्फ बीमारियों से लोगों को ठीक करते हैं, बल्कि महामारी या आपदा के समय अपनी जान की परवाह किए बिना मरीजों की सेवा में जुटे रहते हैं। जब भी आप किसी क्लीनिक या अस्पताल जाते हैं, तो आपने अक्सर डॉक्टरों को सफेद लंबा कोट पहने देखा होगा। लेकिन क्या कभी आपने सोचा है कि आखिर डॉक्टर सफेद कोट क्यों पहनते हैं?

सालों की पढ़ाई और कड़ी मेहनत के बाद जब कोई छात्र मेडिकल की पढ़ाई पूरी करता है, तो उसे एक समारोह में सफेद कोट पहनाया जाता है। इसे वाइट कोट सेरेमनी कहा जाता है, जिसकी शुरुआत डॉ. अर्नोल्ड पी. गोल्ड ने की थी। यह समारोह इस बात का प्रतीक होता है कि अब उस व्यक्ति पर मरीजों की सेहत की जिम्मेदारी है।

पहले के समय में डॉक्टर काले कपड़े पहना करते थे। काला रंग गंभीरता और शोक का प्रतीक माना जाता था, क्योंकि पुराने समय में चिकित्सा क्षेत्र इतना विकसित नहीं था। लोग डॉक्टर के पास तभी जाते थे जब बाकी सारे उपाय फेल हो जाते थे।

इसलिए डॉक्टरों की पहचान गहरे कपड़ों से होती थी।

19वीं सदी के अंत और 20वीं सदी की शुरुआत में चिकित्सा विज्ञान में प्रगति होने लगी। इसी दौरान डॉक्टरों ने सफेद कोट पहनना शुरू किया। सफेद रंग को स्वच्छता, शुद्धता और भरोसे का प्रतीक माना गया। धीरे–धीरे यह कोट चिकित्सा पेशे में अधिकार और सम्मान का चिह्न बन गया।

आज भी दुनिया के कई देशों में डॉक्टर सफेद कोट पहनते हैं। हालांकि डेनमार्क और इंग्लैंड जैसे देशों में यह अनिवार्य नहीं है। इसके अलावा, बाल रोग विशेषज्ञ और मनोचिकित्सक अक्सर सफेद कोट नहीं पहनते क्योंकि इससे छोटे बच्चे या मानसिक रोगी असहज हो सकते हैं।

हर साल 1 जुलाई को भारत में डॉक्टर्स डे मनाया जाता है। यह दिन डॉक्टरों के योगदान को सम्मान देने और उनके प्रति कृतज्ञता प्रकट करने के लिए मनाया जाता है। इस खास मौके पर हम यह समझ सकते हैं कि सिर्फ सफेद कोट ही नहीं, बल्कि उस कोट के पीछे छिपी जिम्मेदारी, समर्पण और सेवा भाव डॉक्टर को खास बनाता है।

कहर बनकर टूटेगा इंद्रदेव का प्रकोप

बारिश ने बढ़ाई शुभमन गिल और बेन स्टोक्स की टेंशन

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला बुधवार (2 जुलाई) से बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर शुरू होने जा रहा है। लीड्स टेस्ट जीतकर इंग्लैंड पहले ही सीरीज में 1-0 से आगे है और अब उसकी नजर बढ़त को दोगुना करने पर है। वहीं, शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम सीरीज बराबर करने के इरादे से उतरेगी। बर्मिंघम में छाए बारिश के बादल, पहले दिन रुक-रुक कर खेल पर असर हालांकि, इस अहम मुकाबले से पहले मौसम की चिंता दोनों टीमों के माथे पर शिकन ला रही है। बीबीसी वेदर के अनुसार, पहले दिन मैच शुरू होने से ठीक पहले बारिश की संभावना जताई गई है। हालांकि, दिन चढ़ने के साथ मौसम के सुधरने की उम्मीद है। एक्यूवेदर की मानें तो चौथे और पांचवें दिन भी बारिश खेल बिगाड़ सकती है।

2 जुलाईः रुक-रुक कर बारिश, गरज के साथ छींटे 3 जुलाई, आंशिक रूप से धूप 4 जुलाई: बादल और हल्की गर्मी 5 जुलाई, सुबह हल्की फुहारें 6 जुलाईः दोपहर में बारिश की संभावना। इतिहास रचने को तैयार टीम इंडिया बर्मिंघम का एजबेस्टन मैदान टीम इंडिया के लिए अब तक अनलकी रहा है।

भारत ने यहां अब तक 8 टेस्ट खेले हैं, जिसमें 7 में हार और सिर्फ 1 मैच ड्रॉ रहा है। यानी जीत का खाता अब तक नहीं खुला है। इस बार गिल की कप्तानी में इतिहास बदलने की उम्मीद है।

भारत कर सकता है प्लेइंग इलेवन में बदलाव खबरों के मुताबिक भारत दो स्पिनरों के साथ उतर सकता है। शार्दुल ठाकुर की जगह युवा खिलाड़ी नीतीश कुमार रेड्डी को मौका मिल सकता है। दूसरी तरफ इंग्लैंड ने अपनी विनिंग प्लेइंग-11 को बरकरार रखा है। एजबेस्टन पिच रिपोर्टः तेज गेंदबाजों को शुरुआती मदद, बाद में स्पिन का बोलबाला एजबेस्टन की पिच शुरू में तेज गेंदबाजों के लिए मददगार साबित हो सकती है।

खासकर अगर बादल छाए रहते हैं तो स्विंग गेंदबाज कहर बरपा सकते हैं। मैच के तीसरे-चौथे दिन पिच बल्लेबाजों के अनुकूल होगी, जबकि पांचवें दिन स्पिनर महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

औसत स्कोर (टेस्ट मैच) पहली पारीः 310 रन, दूसरी पारीः 280 रन तीसरी पारीः 230-250 रन चौथी पारीः 170-200 रन सबकी निगाहें शुभमन गिल और उनकी सेना पर टिकी हैं।

विश्व क्रिकेट को मिला दूसरा 'डेल स्टेन'

यूनिक समय, नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका को तेज गेंदबाज़ी में एक नया सितारा मिल गया है। जिम्बाब्वे के खिलाफ बुलावायो में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में तेज गेंदबाज़ कोडी यूसुफ ने डेब्यू करते हुए अपनी गेंदों से बल्लेबाजों को बुरी तरह से परेशान किया। अपने पहले ही टेस्ट में उन्होंने तीन विकेट झटकते हुए यह दिखा दिया कि वह लंबे समय तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में टिकने आए हैं।

डेल स्टेन, जिन्हें दुनिया के महानतम तेज़ गेंदबाज़ों में गिना जाता है, ने भी यूसुफ की तारीफों के पुल बांध दिए। स्टेन ने सोशल मीडिया पर लिखा, घरेलू क्रिकेट में किया जबरदस्त प्रदर्शन कोडी यूसुफ का जन्म 10

अप्रैल 1998 को साउथ अफ्रीका के न्यास्ना शहर में हुआ था। वह दाएं हाथ के मध्यम-तेज गेंदबाज हैं और घरेलू क्रिकेट में गौतेंग और लायंस की ओर से खेल चुके हैं। अब तक खेले गए 33 प्रथम श्रेणी मैचों में उन्होंने 103 विकेट झटके हैं, जिसमें चार बार पांच विकेट लेने का कारनामा और आठ बार चार विकेट लेने का रिकॉर्ड शामिल है। उनका इकॉनमी रेट 3.38 और स्ट्राइक रेट 50 से भी कम है।

इंसानों के बीच दिखेगा 'हबूबू' रोबोट डॉल

बिग बॉस 19 में लगेगा एआई का तड़का

यूनिक समय, नई दिल्ली। सलमान खान के फेमस रियलिटी शो 'बिग बॉस 19' की तैयारियां जोरों पर हैं। अगस्त से ऑन-एयर होने जा रहे इस शो को लेकर हर दिन नई जानकारियां सामने आ रही हैं। अब जो खबर आई है, उसने शो के फैंस की उत्सुकता और भी बढ़ा दी है। बताया जा रहा है कि इस बार इंसानों के बीच एक अक रोबोट डॉल 'हबूबू' को भी कंटेस्टेंट के रूप में शामिल किया जा सकता है। सूत्रों के मुताबिक, यूएई की पहली इंटरएक्टिव अमीराती रोबोट डॉल 'हबूबू' शो का हिस्सा बनने जा रही है। यह पहला मौका होगा जब बिग बॉस के घर में एक रोबोट इंसानी कंटेस्टेंट्स के साथ नजर आएगा। मेकर्स इस तकनीकी ट्विस्ट के जरिए दर्शकों को एक बिल्कुल नया अनुभव देने की योजना बना रहे हैं। हालांकि, इस खबर को लेकर अब तक आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। क्या है 'हबूबू' की खासियत? 'हबूबू' को इंसानों से भी ज्यादा इमोशनली इंटेलिजेंट बताया जा रहा है। 16 साल की इस डॉल को खाना बनाना, सफाई करना, और बातचीत करना अच्छी तरह आता है। इसमें हिंदी समेत 8 भाषाएं बोलने की क्षमता है, साथ ही इसकी आवाज मधुर और व्यक्तित्व में नटखटपन और क्लास का कॉम्बिनेशन देखने को मिलता है। भारत में कई ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर यह तेजी से ट्रेंड कर रही है। इन सितारों को किया गया अप्रोच शो में शामिल होने वाले सेलेब्स की लिस्ट भी काफी दिलचस्प नजर आ रही है। खबर है कि एलनाज नौरोजी, जो करण जौहर के शो 'द ट्रेटर्स' में नजर आ चुकी हैं, को भी अप्रोच किया गया है।

अंडर-19 मैच में बनाया अनचाहा रिकॉर्ड

कुलदीप यादव को भी पीछे छोड़ गए वैभव सूर्यवंशी के साथी

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत की अंडर-19 क्रिकेट टीम इन दिनों इंग्लैंड दौरे पर है, जहां 30 जून को खेले गए दूसरे वनडे मुकाबले में टीम इंडिया को एक विकेट से हार का सामना करना पड़ा। इस मुकाबले में भले ही वैभव सूर्यवंशी की अगुवाई में टीम जीत से चूक गई, लेकिन मैच के दौरान उनके एक साथी खिलाड़ी ने ऐसा रिकॉर्ड बना दिया, जो भारतीय अंडर-19 क्रिकेट के इतिहास में अब तक कोई नहीं बना सका था। यह रिकॉर्ड अनचाहा जरूर है, लेकिन इसके ज़रिए आर. अमबरीश ने कुलदीप यादव, मोहम्मद सैफ और राजवर्धन हंगरगेकर जैसे गेंदबाजों को पीछे

छोड़ दिया। सबसे ज्यादा रन लुटाने वाले बने अमबरीश मैच में आर. अमबरीश ने 10 ओवर में 80 रन खर्च किए। हालांकि उन्होंने 4 विकेट भी लिए, लेकिन उनकी इकॉनमी 8.00 की रही, जो अंडर-19 भारतीय गेंदबाजों के लिए एक नया रिकॉर्ड बन गया है। इससे पहले यह रिकॉर्ड कुलदीप यादव के नाम था, जिन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ 10 ओवर में 72 रन दिए थे। ऐसे टूटा गया पुराना रिकॉर्ड कुलदीप यादव ने अंडर-19 स्तर पर पाकिस्तान के खिलाफ 10 ओवर में 72 रन दिए थे। इसके बाद मोहम्मद सैफ ने ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के खिलाफ 73 रन खर्च किए। फिर राजवर्धन हंगरगेकर ने अफगानिस्तान के खिलाफ 74 रन देकर यह रिकॉर्ड तोड़ा। अब आर. अमबरीश ने इंग्लैंड के खिलाफ 10 ओवर में 80 रन देकर इन सभी को पीछे छोड़ दिया। सीरीज में बना रोमांचक मोड़ भारत की अंडर-19 टीम को इस मुकाबले में अंतिम ओवर में हार मिली, जिससे 5 मैचों की सीरीज 1-1 की बराबरी पर आ गई है। अमबरीश की गेंदबाज़ी भले ही आंकड़ों में यादगार रही, लेकिन टीम को जीत दिलाने में वह सफल नहीं हो सके। अब सबकी निगाहें अगले मैच पर टिकी हैं, जहां भारत वापसी करना चाहेगा।

अशोक पंडित ने बताया 'हताश और बेचैन'

दिलजीत के समर्थन पर नसीरुद्दीन शाह घिरे

यूनिक समय, नई दिल्ली। फिल्म 'सरदार जी 3' को लेकर जारी विवाद में अब बॉलीवुड के दो वरिष्ठ चेहरों के बीच जुबानी जंग छिड़ गई है। मशहूर अभिनेता नसीरुद्दीन शाह ने दिलजीत दोसांझ के समर्थन में पोस्ट किया, जिसे बाद में उन्होंने डिलीट कर दिया, लेकिन इस पर फिल्म निर्माता अशोक पंडित ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। अशोक पंडित ने न्यूज़ चैनल से बातचीत में नसीरुद्दीन शाह पर निशाना साधते हुए कहा कि उनका बयान उनकी हताशा और बेचैनी को दिखाता है।

उन्होंने कहा, "वो हमें गुंडे कहते हैं, हमें जुमला पार्टी बोलते हैं, यह एक शिक्षित और वरिष्ठ कलाकार को शोभा नहीं देता।" नसीरुद्दीन शाह ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में दिलजीत दोसांझ का समर्थन करते हुए लिखा था कि "फिल्म की कास्टिंग के लिए दिलजीत जिम्मेदार नहीं हैं।" इसके अलावा उन्होंने उन लोगों को 'गुंडा' कहा, जो इस फिल्म का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने यह भी जोड़ा कि भारत और पाकिस्तान के बीच व्यक्तिगत संबंध खत्म करने की कोशिश की जा रही है, जबकि उनके खुद के रिश्तेदार और दोस्त पाकिस्तान में रहते हैं। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए अशोक पंडित ने कहा, "अगर दिलजीत चाहते तो पाकिस्तानी एक्टर के साथ काम करने से मना कर सकते थे। पाकिस्तान पिछले 40 वर्षों से भारत पर हमले करता आया है-पुलवामा, उरी, 26/11, मुंबई ब्लास्ट-यह सब भुलाया नहीं जा सकता। पाकिस्तान एक आतंकवादी देश है और हमें अपने देश को प्राथमिकता देनी चाहिए।"

उन्होंने कहा कि "हमने दिलजीत के खिलाफ असहयोग का निर्णय लिया है। यह हमारे देश की सुरक्षा और स्वाभिमान से जुड़ा मामला है।" गौरतलब है कि विवाद तब शुरू हुआ जब 'सरदार जी 3' का ट्रेलर रिलीज हुआ, जिसमें पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर की मौजूदगी देख लोगों का गुस्सा भड़क उठा। माना जा रहा था कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद हानिया को फिल्म से हटा दिया जाएगा, लेकिन ट्रेलर में उनकी झलक देखकर विवाद गहरा गया। हालांकि आलोचनाओं के बावजूद यह फिल्म 27 जून को भारत के बाहर रिलीज हो चुकी है।

संजू सैमसन बनेंगे चेन्नई सुपर किंग्स के अगले कप्तान

यूनिक समय, नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स आईपीएल 2026 में भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन को अपनी टीम में शामिल करने की योजना बना रही है। फ्रेंचाइजी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पुष्टि की है कि टीम संजू सैमसन को जोड़ने के लिए इच्छुक है और यदि हालात अनुकूल रहे तो उन्हें कप्तानी भी सौंपी जा सकती है।

डील को लेकर हलचल तेज

राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी कर चुके संजू सैमसन ने आईपीएल में 177 मैचों में 4704 रन बनाए हैं और उनका स्ट्राइक रेट 139.05 रहा है। उन्होंने तीन शतक और कई यादगार पारियां खेली हैं। वहीं, विकेटकीपिंग के साथ-साथ वह ओपनिंग की भूमिका भी शानदार ढंग से निभा सकते हैं।

चेन्नई सुपर किंग्स के लिए बीता सीजन बेहद खराब रहा था, जहां ऋतुराज गायकवाड़ की कप्तानी में टीम सबसे निचले पायदान पर रही। गायकवाड़ के चोटिल होने के बाद एमएस धोनी ने एक बार फिर कमान संभाली लेकिन टीम को संभाल नहीं पाए।

सीएसके अधिकारी ने क्रिकबज को दिए बयान में कहा, "हम संजू सैमसन को जरूर देख रहे हैं। वह एक मजबूत भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज हैं और कप्तानी का अनुभव भी रखते हैं। अगर वह उपलब्ध होते हैं तो हम उन्हें शामिल करने के लिए जरूर प्रयास करेंगे।"

हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि संजू को सीएसके में लाने के लिए कौन सी टीम के साथ ट्रेड किया जाएगा, लेकिन चर्चाएं जोर पकड़ रही हैं कि फ्रेंचाइजी उन्हें भविष्य के कप्तान के रूप में देख रही है।

यदि यह डील पूरी होती है, तो संजू सैमसन का अनुभव, बल्लेबाजी कौशल और लीडरशिप सीएसके को फिर से मजबूती दिला सकता है।

सार संक्षेप

प्रयागराज इंडिगो फ्लाइट रद्द

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रयागराज से बेंगलुरु जाने वाली इंडिगो फ्लाइट 6ए-6036 तकनीकी खराबी के कारण रद्द की गई। यात्रियों ने पेट्रोल जैसी गंध की शिकायत की। विमान की जांच के बाद उड़ान निरस्त करने का निर्णय लिया गया।

डॉ. राजीव बिंदल फिर बने अध्यक्ष

यूनिक समय, नई दिल्ली। डॉ. राजीव बिंदल तीसरी बार हिमाचल प्रदेश बीजेपी के अध्यक्ष बनाए गए हैं। शिमला में केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने औपचारिक घोषणा की। वे जेपी नड्डा के करीबी माने जाते हैं।

नाना पटोले एक दिन के लिए सस्पेंड

यूनिक समय, नई दिल्ली। नाना पटोले को विधानसभा में किसानों के मुद्दे पर बोलते हुए स्पीकर के राजदंड को छूने के कारण एक दिन के लिए निलंबित किया गया। इससे कांग्रेस में नाराजगी देखी गई।

तेलंगाना में बीजेपी मिशन

यूनिक समय, नई दिल्ली। एन. रामचंदर राव को तेलंगाना बीजेपी अध्यक्ष बनाया गया। उन्होंने कहा कि पार्टी का लक्ष्य अगला विधानसभा चुनाव जीतना है और राज्य में बीजेपी की सरकार बनाना है।

राहुल ने अखिलेश को दी शुभकामनाएं

यूनिक समय, नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने पीडीए गठबंधन को न्याय की लड़ाई में एकजुट रहने की बात दोहराई।

तेलंगाना धमाके में अब तक 39 मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। संगारेड्डी की सिगाची इंडस्ट्रीज के केमिकल प्लांट में धमाके से मरने वालों की संख्या 39 पहुंची। 30 से अधिक लोग घायल हैं और कई अस्पतालों में इलाज चल रहा है।

कोलकाता गैंगरेप में तीन लोग गिरफ्तार

यूनिक समय, नई दिल्ली। कोलकाता में गैंगरेप मामले में तीन आरोपी मनोजीत मिश्रा, जैब अहमद और प्रमित मुखोपाध्याय को गिरफ्तार कर पुलिस हिरासत में भेजा गया है। जांच जारी है।

दिल्ली में पुराने वाहनों पर रोक

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली के पेट्रोल पंपों पर नोटिस लगा कि 15 साल पुराने पेट्रोल और 10 साल पुराने डीजल वाहनों को 1 जुलाई 2025 से ईंधन नहीं मिलेगा। नियम के पालन के लिए सीसीटीवी भी लगाए गए हैं।

पटना एयरपोर्ट को मिली बम की धमकी

यूनिक समय, नई दिल्ली। पटना के जयप्रकाश नारायण इंटरनेशनल एयरपोर्ट को बम की ईमेल धमकी मिली थी। जांच के बाद यह फर्जी निकली। सुरक्षा बढ़ाई गई और पुलिस ने मामले की जांच पूरी कर ली। एसपी सिटी सेंट्रल दीक्षा ने पुष्टि की कि यह सिर्फ अफवाह थी।

तमिलनाडु में पटाखा फैक्ट्री में भीषण धमाका

शिवकाशी में पांच मजदूरों की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। तमिलनाडु के प्रसिद्ध शिवकाशी जिले में स्थित एक पटाखा निर्माण फैक्ट्री में मंगलवार को जोरदार धमाका हो गया, जिसमें कम से कम पांच मजदूरों की दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों में दो महिलाएं भी शामिल हैं।

यह हादसा शिवकाशी के चिन्नाकामनपट्टी इलाके में स्थित एक निजी फैक्ट्री में हुआ, जो पटाखों के निर्माण के लिए जानी जाती है।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक धमाके की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के कई किलोमीटर तक सुनाई दी। विस्फोट के तुरंत बाद फैक्ट्री परिसर से घना धुआं और आग की लपटें उठने लगीं। धमाके के कारण पूरी यूनिट आग की चपेट में आ गई, जिससे कई मजदूर झुलस गए। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है।

घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां और पुलिस टीम मौके पर पहुंची। दमकलकर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इसके बाद राहत और बचाव कार्य तेज़ी से शुरू किया गया। बचावकर्मियों ने फैक्ट्री के अंदर फंसे मजदूरों को बाहर निकाला और मलबा हटाने का काम शुरू कर दिया है।

धमाके की गंभीरता को देखते हुए राजस्व विभाग के अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने पूरे इलाके का निरीक्षण किया और फैक्ट्री के लाइसेंस व सुरक्षा मानकों की जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल को घेर लिया है और मामले की जांच जारी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार धमाके की वजह फैक्ट्री में सुरक्षा मानकों की अनदेखी हो सकती है, हालांकि इसकी पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

शिवकाशी देश की प्रमुख पटाखा निर्माण इकाइयों में से एक है, जहां पहले भी इस तरह के हादसे हो चुके हैं। एक बार फिर से ऐसी घटना ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय प्रशासन से लेकर राज्य सरकार तक इस पर गंभीर मंथन की ज़रूरत बताई जा रही है।

फिलहाल राहत कार्य जारी है और मृतकों के परिजनों को सूचना दी जा रही है। प्रशासन की ओर से मृतकों के लिए मुआवजे की घोषणा जल्द किए जाने की संभावना है।

हिमाचल में बादल फटने से तबाही

करसोग-गोहर में 16 लोग लापता, कई घर जमींदोज

यूनिक समय, नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश में बीती रात से हो रही मूसलाधार बारिश और जगह-जगह बादल फटने की घटनाओं ने कहर बरपा दिया है। मंडी जिले के करसोग, गोहर और धर्मपुर क्षेत्रों में भारी नुकसान हुआ है। बादल फटने की घटनाओं में अब तक चार लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 16 लोग लापता हैं। प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे राहत एवं बचाव अभियान में अब तक 117 लोगों को सुरक्षित निकाला जा चुका है।

सबसे अधिक तबाही मंडी जिले के गोहर उपमंडल के स्यांज गांव में हुई है, जहां एक घर फ्लैश फ्लड में बह गया। मां-बेटी को बचा लिया गया, लेकिन सात लोग सैलाब में बह गए। तलवाड़ा और बाड़ा क्षेत्रों में भी कई लोग लापता हैं। धर्मपुर के त्रियांबला में दो मकान और पांच गौशालाएं बह गईं, जिससे 26 मवेशियों की मौत हो गई।

करसोग में एक व्यक्ति की मौत और चार लोगों के लापता होने की सूचना है। मंडी जिले में सड़कें बंद हैं, जिसके कारण जनजीवन प्रभावित हुआ है। कई स्थानों पर बिजली और जलापूर्ति योजनाएं ठप हो गई हैं। मंडी के रघुनाथ का पधर क्षेत्र में फंसे 12 लोगों को पुलिस ने सुरक्षित रेस्क्यू किया।

कुल्लू, कांगड़ा और हमीरपुर में भी स्थिति गंभीर बनी हुई है। कुल्लू में नदी-नाले उफान पर हैं और बांधों से पानी छोड़ा जा रहा है। शिमला के समरहिल में आर्मी कॉलोनी में पेड़ गिरने से वाहन क्षतिग्रस्त हुए हैं। कांगड़ा, मंडी और हमीरपुर के सभी शैक्षणिक संस्थानों को एहतियातन बंद कर दिया गया है। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें राहत कार्य में जुटी हैं। प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है।

कुख्यात गैंगस्टर नीरज बवाना को मिली कस्टडी पैरोल

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली का कुख्यात गैंगस्टर नीरज बवाना मंगलवार को तिहाड़ जेल से बाहर आया। उसे दिल्ली हाईकोर्ट से एक दिन की कस्टडी पैरोल मिली है, जिसके तहत वह अपनी बीमार पत्नी से मिलने अस्पताल पहुंचा। भारी सुरक्षा के बीच नीली जींस और सफेद शर्ट पहने नीरज को लंगड़ाते हुए जेल से बाहर लाया गया।

कोर्ट ने नीरज को छह घंटे की पैरोल दी है ताकि वह अपनी पत्नी से मिल सके, जो पांडव नगर के एक अस्पताल के आईसीयू में भर्ती है। उसकी पत्नी के मस्तिष्क में नसों की रुकावट है।

अदालत ने साफ किया है कि इस दौरान वह केवल अपनी पत्नी और डॉक्टर से ही मिल सकता है।

नीरज बवाना दिल्ली-एनसीआर का बड़ा गैंगस्टर है और उसके खिलाफ हत्या, जबरन वसूली सहित कई संगीन मामले दर्ज हैं।

सिद्धू मूसेवाला की हत्या का बदला लेने की धमकी और पहलवान सागर धनकड़ की हत्या जैसे मामलों में भी उसका नाम सामने आ चुका है। नीरज और लॉरेंस बिश्नोई के गैंग के बीच लंबे समय से दुश्मनी चल रही है।

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक निर्णय

स्टाफ के लिए पहली बार आरक्षण नीति लागू

यूनिक समय, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 75 वर्षों में पहली बार एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए अपने गैर-न्यायिक स्टाफ के लिए आरक्षण नीति लागू की है। यह निर्णय 23 जून 2025 से प्रभावी हो गया है। इसके तहत अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग के उम्मीदवारों को नियुक्तियों और पदोन्नति में आरक्षण का लाभ मिलेगा।

मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बी.आर. गवई ने इस पर टिप्पणी करते हुए कहा कि जब सभी सरकारी संस्थानों और उच्च न्यायालयों में आरक्षण लागू है, तो फिर सुप्रीम कोर्ट को इससे बाहर क्यों रखा जाए? उन्होंने कहा कि हमारे आदर्शों को हमारे कार्यों में प्रतिबिंबित होना चाहिए। आरक्षण नीति केवल गैर-न्यायिक पदों जैसे रजिस्ट्रार, निजी सहायक, पुस्तकालय सहायक, कोर्ट सहायक और अटेंडेंट पर लागू होगी। न्यायाधीशों के लिए यह लागू नहीं है। जारी सर्कुलर के अनुसार, एससी वर्ग को 15% और एसटी वर्ग को 7.5% आरक्षण मिलेगा। यह निर्णय न्यायपालिका में समावेशिता की दिशा में एक बड़ा बदलाव माना जा रहा है।

दिल्ली दंगे मामला

शरजील इमाम और उमर खालिद की जमानत पर सुनवाई 9 जुलाई तक टली

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली हिंसा से जुड़ी बड़ी साजिश के मामले में आरोपी शरजील इमाम, उमर खालिद और अन्य की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई टल गई है। दिल्ली हाईकोर्ट ने इस मामले की अगली सुनवाई की तारीख 9 जुलाई निर्धारित की है। सुनवाई के दौरान एक आरोपी मीरान हैदर के वकील ने तर्क दिया कि उसके खिलाफ पर्याप्त सबूत नहीं हैं और वह किसी भी आपराधिक समूह का हिस्सा नहीं था। अदालत ने सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद सुनवाई स्थगित कर दी।

ट्रंप का एलन मस्क पर तीखा हमला

अपनी दुकान बंद करो और साउथ अफ्रीका लौट जाओ

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिकी राजनीति में एक बार फिर हलचल तेज़ हो गई है, जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अरबपति उद्योगपति एलन मस्क के बीच जुबानी जंग खुलकर सामने आई है। मामला शुरू हुआ एलन मस्क द्वारा "वन बिग, ब्यूटीफुल बिल" का विरोध करने से, जिसके बाद ट्रंप ने तीखी प्रतिक्रिया दी।

डोनाल्ड ट्रंप ने सार्वजनिक बयान में कहा कि मस्क को यह समझना चाहिए कि सरकार सभी नागरिकों को इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने के लिए बाध्य नहीं कर सकती। उन्होंने आरोप लगाया कि एलन मस्क ने अब तक इतिहास में सबसे अधिक सरकारी सब्सिडी ली है, और यदि ये सब्सिडी बंद हो जाए तो मस्क को अपनी कंपनियां बंद कर दक्षिण अफ्रीका लौटना पड़ सकता है। ट्रंप ने यह भी कहा कि बिना इन भारी खर्चों के अमेरिका काफी धन बचा सकता है।

एलन मस्क ने हाल ही में "वन बिग, ब्यूटीफुल बिल" की आलोचना करते हुए कहा था कि अगर यह प्रस्ताव संसद में पास होता है, तो वे एक नई राजनीतिक पार्टी की शुरुआत करेंगे। इसी बयान पर ट्रंप भड़क गए और उन्होंने मस्क पर सीधा हमला बोल दिया। गौरतलब है कि एलन मस्क का जन्म दक्षिण अफ्रीका में हुआ था और वे 17 वर्ष की उम्र में कनाडा चले गए थे। इसके बाद उन्होंने अमेरिका में टेस्ला, स्पेसएक्स और कई अन्य कंपनियों के माध्यम से अपना विशाल कारोबारी साम्राज्य खड़ा किया।

कुछ समय पहले तक ट्रंप और मस्क के रिश्ते बेहतर माने जाते थे। ट्रंप ने मस्क को सरकारी खर्च नियंत्रण विभाग में शामिल किया था, लेकिन बाद में मतभेद बढ़ने के कारण मस्क ने पद छोड़ दिया। इसके बाद से दोनों के संबंधों में लगातार तनाव देखने को मिला है।

मुंबई में मनसे कार्यकर्ताओं की गुंडागर्दी

मराठी न बोलने पर होटल कर्मचारी की पिटाई

यूनिक समय, नई दिल्ली। मुंबई में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के कार्यकर्ताओं की गुंडागर्दी एक बार फिर सामने आई है। मीरा रोड क्षेत्र में एक भोजनालय (होटल) के कर्मचारी को केवल इस वजह से पीटा गया क्योंकि वह मराठी भाषा में बात नहीं कर रहा था। बताया गया है कि सोमवार रात मीरा रोड के बालाजी भोजनालय में यह घटना घटी, जहां मनसे कार्यकर्ताओं ने कर्मचारी को थप्पड़ मारे और अपशब्द कहे। इस घटना का दृश्य-चित्र (वीडियो) समाज माध्यम (सोशल मीडिया) पर तीव्र गति से प्रसारित हो रहा है, जिसमें मनसे कार्यकर्ताओं की मारपीट स्पष्ट रूप से देखी जा सकती है। भोजनालय के अन्य कर्मचारियों और ग्राहकों में इस घटना को लेकर भय और रोष व्याप्त है। इस घटना पर विभिन्न राजनैतिक दलों की प्रतिक्रियाएं भी सामने आई हैं। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) के विधायक सचिन अहीर ने कहा कि किसी को मराठी न बोलने पर पीटना अनुचित है, लेकिन यदि कोई जानबूझकर मराठी भाषा का अपमान करता है तो वह भी सही नहीं है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता शरद पवार ने भी इस कृत्य की निंदा करते हुए इसे निंदनीय बताया।

बदलते परिवेश में अखबार-डिजिटल मीडिया का कम्पटीशन

हर चुनौती को अवसर में बदला जा सकता है : राजकुमार गौतम

यूनिकॉम और दैनिक समाचार पत्र यूनिक समय कार्यालय में आयोजित सेमिनार में स्टाफ के साथ यूनिकॉम मार्केटिंग ग्रुप के चेयरमैन राजकुमार गौतम।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। यूनिकॉम और दैनिक समाचार पत्र यूनिक समय कार्यालय में 'बदलते परिवेश में अखबार बनाम डिजिटल मीडिया का कंपटीशन' पर सेमिनार आयोजित किया गया। इसमें न सिर्फ प्रिंट और डिजिटल की बॉन्डिंग पर जोर दिया गया, बल्कि आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) के प्रभाव, मीडिया की विश्वसनीयता, और भविष्य की पत्रकारिता की दिशा पर भी गहराई से बात की गई। सेमिनार में यह भी दर्शाया गया कि यूनिकॉम केवल एक न्यूज़ यूनिट नहीं, बल्कि रिसर्च, डेवलपमेंट, मार्केटिंग और क्लाइंट ओरिएंटेशन की एक मजबूत सोच के साथ आगे बढ़ रहा है। मथुरा जैसे शहर में जहां पहले मीडिया बिज़नेस की वैल्यू कुछ लाखों तक सीमित थी, आज वह करोड़ों में पहुँच गई है। इसके पीछे जो दूरदृष्टि, मेहनत और मार्केट की समझ है, उस पर भी चर्चा हुई। यूनिकॉम मार्केटिंग ग्रुप के चेयरमैन राजकुमार गौतम ने कहा कि आज के तकनीकी युग में सूचना का स्वरूप और माध्यम तेजी से बदल रहे हैं। एक समय था, जब सुबह की चाय के साथ अखबार पढ़ना दिन की शुरुआत मानी जाती थी, लेकिन अब स्मार्टफोन और इंटरनेट के माध्यम से खबरें पल-पल में हम सबके मोबाइल स्क्रीन पर दस्तक देती हैं। इस कार्यक्रम में हम यही दिखाने जा रहे हैं कि यूनिकॉम एक विज़न है, जहाँ बदलाव को अपनाया जाता है। हर चुनौती को अवसर में बदला जा सकता है।

यूनिक समय के संपादक पवन गौतम ने कहा कि अखबारों की गहराई, भाषा की शुद्धता और विश्वसनीयता आज भी उन्हें एक अलग पहचान देती है। खासकर वरिष्ठ नागरिक और विश्लेषणात्मक सोच वाले पाठकों के लिए अखबार की अहमियत बनी हुई है। यूनिकॉम डिजिटल के निदेशक मनन गौतम ने कहा कि डिजिटल मीडिया की गति, सहजता और इंटरएक्टिविटी ने आज के युवा वर्ग को अपनी ओर आकर्षित किया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स, न्यूज ऐप्स और यूट्यूब जैसे माध्यमों से खबरें अब वीडियो, रील और लाइव अपडेट्स के रूप में तुरंत मिलती हैं, जबकि अखबारों को छपने और वितरित होने में समय लगता है। कहा कि मीडिया संस्थानों के लिए यह समय चुनौतीपूर्ण है, जहां उन्हें डिजिटल दुनिया की मांग के अनुसार खुद को ढालना भी है और अपनी पत्रकारिता की मूल आत्मा को भी बनाए रखना है। आने वाले समय में दोनों माध्यमों का संतुलन ही खबरों की सच्ची ताकत बनेगा। कार्यक्रम में महेश वार्ष्णेय, गिरधारी श्रोत्रिय, राजू चौरसिया, अफज़ल अहमद, मुकेश गौतम, प्रदीपकांत मिश्रा, चित्रांग, लोकेश, शिवम, लखन, प्रकाश, तरुण, कीर्ति, गुंजन, खुशबू, अर्पिता, राज, अनूप, विजय, कपिल, संदीप, रवि, नंदनी, ईश्वरी प्रसाद तथा मनीष आदि उपस्थित थे।

विश्व शांति और श्रीकृष्ण मंदिर निर्माण को सहस्त्र चंडी महायज्ञ हुआ

यूनिक समय, मथुरा। मसानी स्थित मां पथवारी देवी मंदिर परिसर में विश्व शांति, भारत को विश्व गुरु बनाने तथा मथुरा में भगवान श्रीकृष्ण का भव्य मंदिर निर्माण होने की कामना के साथ श्री मां रेंगश्री महाकाली देवी भक्त मंडल द्वारा सहस्त्र चंडी महायज्ञ का दिव्य आयोजन किया जा रहा है। इस धार्मिक अनुष्ठान में प्रतिदिन आचार्य श्री राम निहोर शास्त्री (वृंदावन) के मार्गदर्शन में वेदपाठी ब्राह्मणों द्वारा 108 दुर्गा सप्तशती पाठ, सहस्त्रनाम अर्चन, कन्या-लांगुरा पूजन, सौभाग्यवती पूजन तथा 11 सप्तशती पाठों से हवन की श्रृंखला संपन्न हो रही है।

कार्यक्रम की दिव्यता में चार चांद तब लगते हैं जब देशभर से पधारे संत-महापुरुष इस यज्ञ में सहभागिता करते हैं। इसी क्रम में आज इंद्रपुरी दरबार के संस्थापक महंत श्री बब्बू भैया तथा कार्ष्णी संत पूज्य श्री आदित्यानंद जी महाराज ने महायज्ञ में अपनी पावन उपस्थिति दी। दोनों संतों ने हवन में भाग लेकर ब्राह्मणों के स्वस्तिवाचन के मध्य पूजन किया तथा आयोजन की सफलता के लिए आशीर्वाद प्रदान किया। कार्यक्रम के मुख्य आयोजक विश्व हिंदू परिषद मथुरा महानगर के जिला अध्यक्ष कन्हैयालाल अग्रवाल ने दोनों संतों का शाल ओढ़ाकर सम्मान किया। मंडल के संस्थापक व संरक्षक श्री अशोक गुप्ता (माईदास) द्वारा माल्यार्पण कर संतों को अभिनंदन अर्पित किया गया। कार्यक्रम की समुचित व्यवस्था श्री राजेश चौधरी, श्री अमरनाथ गोयल, अनिल अग्रवाल महावाणिया आदि ने की।

ठा. बांकेबिहारी की उपासना पद्धति प्राचीन परिपाटी पर आधारित

यूनिक समय, वृन्दावन। जन-जन के आराध्य ठाकुर बांके बिहारी महाराज की निकुंजभावी उपासना पद्धति सर्वोत्तम सेवा, उच्चतम भोग व न्यूनतम दर्शनअवधि की प्राचीन परिपाटी पर आधारित है। श्रीबाँके बिहारी जी महाराज के प्राकट्यकर्ता संगीतशिरोमणि श्रीस्वामीहरिदास जी महाराज द्वारा प्रतिपादित सखीभाव परम्परा से सम्पादित इस विलक्षण सेवापद्धति में प्रत्येक क्षण आराध्यप्रभु की इच्छा के अनुसार उनकी प्रसन्नतार्थ सेवा के यत्न करना ही उनके सेवायतों का धर्म है। ठाकुर बांके बिहारी महाराज की अद्वितीय सेवाविधि के संदर्भ में श्रीहरिदास पीठाधीश्वर इतिहासकार आचार्य प्रहलाद बल्लभ गोस्वामी महाराज बताते है कि रसिकशेखर श्रीस्वामीहरिदासजी महाराज द्वारा प्रवर्तित भगवान श्रीबाँके बिहारीजी की निकुंजभावी सेवा पूजा उपासना पद्धति अनुपम अद्भुत व अलौकिक अनन्य रसरीती की परिचायक है। श्रीहरिदाससखी सम्प्रदाय में तत्सुख सुखिया भाव से आराध्य को सर्वोच्च सुख पहुंचाना ही उपासक का ध्येय है।

व्यापारी नेता के हत्यारोपी को नहीं मिली जमानत

यूनिक समय, मथुरा। जिला जज विकास कुमार की अदालत में व्यापरी नेता हेमेंद्र गर्ग के एक हत्यारोपी की जमानत याचिका पर आज सुनवाई हुई। अदालत ने उसकी याचिका को खारिज कर दिया। इससे पहले मुख्य आरोपी की जमानत याचिका खारिज हो चुकी थी। गौरतलब है कि 23 अप्रैल को रात को गायत्री विहार कालोनी निवासी व्यापारी नेता हेमेंद्र कुमार गर्ग की गोली मारकर घायल कर दिया था। उनको लेकर सिटी हास्पिटल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया था।

मेधावी छात्र-छात्रा सम्मान समारोह 20 को

यूनिक समय, मथुरा। सर्वोदयी ब्राह्मण विकास संस्थान ने ब्राह्मण मेधावी छात्र-छात्रा सम्मान समारोह 20 जुलाई को कराने का निर्णय लिया है। इसमें हाई स्कूल एवं इंटर यूपी बोर्ड 80%, सीबीएसई एवं अन्य बोर्ड हाई स्कूल, इंटर मे 90% तथा उच्च शिक्षा में 75% अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया जाएगा। आवेदन करने की अंतिम तिथि 10 जुलाई है। छात्र-छात्रा मार्कशीट की छाया प्रति, टेलीफोन नंबर, पते सहित प्रधान कार्यालय वाटी वाली कुंज लाल दरवाजा पर 10:00 बजे से 1:00 बजे तक जमा कर सकते हैं। यह जानकारी सचिव नारायण प्रसाद शर्मा ने दी।

श्रीकृष्ण कृपा धाम में गुरु पूर्णिमा महोत्सव 02 व 03 जुलाई को

यूनिक समय, वृन्दावन। परिक्रमा मार्ग स्थित श्रीकृष्ण कृपा धाम में महामंडलेश्वर, गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज के सानिध्य में द्विदिवसीय व्यास पूर्णिमा (गुरु पूर्णिमा) महोत्सव 02 से 03 जुलाई को मनाया जाएगा। मीडिया प्रभारी डॉ. गोपाल चतुर्वेदी ने बताया है कि महोत्सव अंतर्गत 02 जुलाई को अपराह्न 03 बजे से सायं 07 बजे तक एवं 03 जुलाई को प्रातः 07 बजे से 11 बजे तक देश-विदेश से आए असंख्य श्रद्धालु सदगुरुदेव भगवान का पूजन अर्चन कर उनसे आशीर्वाद लेंगे। साथ ही महाराजश्री गुरु दीक्षा भी देंगे।

अनाथालय में बच्चों के बीच अखिलेश का जन्म दिन मनाया

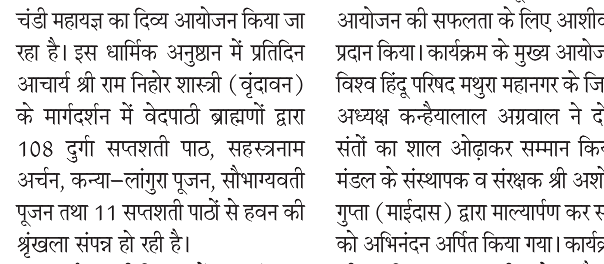

सपा मुखिया अखिलेश यादव का जन्म दिन अनाथालय में बच्चों के साथ मनाते सपाई।

यूनिक समय, वृंदावन। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का 52वां जन्मदिन सपा कार्यकर्ताओं ने गरीब, अनाथ व बेसहारा बच्चों के साथ खुशियां बांट कर मनाया। साथ ही पार्टी की रीति और 2027 में यूपी में सरकार बनाने का संकल्प भी लिया। मुलायम सिंह यादव यूथ ब्रिगेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष सिद्धार्थ सिंह ने कहा कि अखिलेश यादव न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि देश के युवाओं की प्रेरणा हैं। उन्होंने कहा कि 2027 में सपा सरकार बनाने के लिए हर कार्यकर्ता को अभी से जुट जाना चाहिए। युवजन सभा के पूर्व जिला अध्यक्ष मुन्ना मालिक पार्षद और मुलायम सिंह यादव यूथ ब्रिगेड के निवर्तमान जिला अध्यक्ष राघवेंद्र ठाकुर ने कहा अखिलेश यादव ने हमेशा जनता के हित में कार्य किया है। युवजन सभा के प्रदेश सचिव अशोक कुमार और युवजन सभा के महानगर अध्यक्ष अंकित वार्ष्णेय ने कहा कि सपा मुखिया अखिलेश यादव ने डॉ. लोहिया, जनेश्वर मिश्र आदि नेताओं के बताए रास्ते को आत्मसात करते हुए समाजवादी आंदोलन की परंपरा को आगे बढ़ाया। इस मौके पर लोहिया वाहिनी के निवर्तमान जिला अध्यक्ष पवन चौधरी, राजेंद्र फरारी, शाहबाज कुरैशी, नकुल रजावत, मोनू ठाकुर, छोटू ठाकुर, गुल्लू कुरैशी, राज पांडे तथा विनय ठाकुरआदि उपस्थित थे।

निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त के बोल

कृष्णापुरी जाने वाले मार्ग की सफाई पर जोर

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। नगर निगम के नगर आयुक्त जगप्रवेश ने सेठ बीएन पोद्दार इंटर कॉलेज स्कूल से कृष्णापुरी जाने वाले मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने डलाव घर की सफाई एवं जलभराव की स्थिति का जायज़ा लिया गया। निरीक्षण के दौरान रोड किनारे जलभराव पाया। नगर आयुक्त ने संबंधित अधिकारी को रोड साइड जल भराव वाले स्थान पर मार्ग को इंटरलॉकिंग द्वारा चौड़ा एवं समतल कराए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने नगर स्वास्थ्य अधिकारी को मार्ग की नियमित रूप से साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही, डलाव घर की प्रतिदिन सुबह 10:00 बजे से पहले सफाई अनिवार्य रूप से पूरी कराने के भी सख्त निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गोपाल बाबू गर्ग एवं क्षेत्रीय सफाई निरीक्षक सौरभ अग्रवाल उपस्थित थे।

सेठ बीएन पोद्दार इंटर कॉलेज स्कूल से कृष्णापुरी जाने वाले मार्ग का निरीक्षण करते नगर आयुक्त जगप्रवेश।

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित। कार्यालय :- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा। संपादक-पवन गौतम। फोन नंबर-0565-2420150, मो। 9837155888 E-mail : uniquesamaynews@gmail.com website : uniquesamay.com सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा। RNI-UPHIN/2023/85053